संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 301
पृष्ठ 8
मंगलवार
21 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बारिश में हो सकता है गेस्ट्रो...

विचार- पर्याप्त शिक्षकों के अभाव में पढ़ाई...

खेल- स्पेन की तकनीक के सामने बिखर गई...

सीएम योगी बोले- बाराबंकी वालों के दोनों हाथों में लड्डू

विकास और धार्मिक पर्यटन दोनों का लाभ मिल रहा

बाराबंकी,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाराबंकी के रामनगर स्थित प्रसिद्ध लोधेश्वर महादेव धाम में भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा–अर्चना की। इसके बाद उन्होंने लोधेश्वर महादेवा कॉरिडोर की आधारशिला रखी और दरियाबाद में आयोजित जनसभा में करीब 550 करोड़ रुपये की लागत वाली 82 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जो लोग प्रदेश की विरासत के विरोधी हैं, वही विकास के भी सबसे बड़े विरोधी हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के प्रति हमेशा उदासीन रही है। सपा शासन में महिलाओं की सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती थी और आज भी लोग उस दौर को भूले नहीं हैं। देख सपाई, बिटिया घबराई, यह सिर्फ नारा नहीं बल्कि पिछली सरकारों की कार्यशैली का प्रतिबिंब है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस लूट करने वाली और समाजवादी पार्टी डकैती डालने वाली पार्टी है। इनसे सतर्क रहेंगे तो हमेशा फायदे में रहेंगे। देश 1947 में आजाद हो गया था, लेकिन महादेव धाम तक आजादी की रोशनी नहीं पहुंच सकी। वर्षों तक यहां के विकास की किसी ने सुध नहीं ली। समाजवादी पार्टी की सरकारें कब्रिस्तानों की बाउंड्रीवाल बनाने में व्यस्त रहीं, लेकिन उन्हें लोधेश्वर महादेव धाम के विकास की चिंता नहीं हुई। बाराबंकी के महान हॉकी खिलाड़ी के.डी. सिंह बाबू का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने देश को ओलंपिक में गौरव दिलाया, लेकिन उनकी हवेली तक बिकने की नौबत आ गई। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की सरकारों ने इस दिशा में कोई पहल नहीं की। मुख्यमंत्री ने कानून–व्यवस्था और औद्योगिक विकास का जिक्र करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के शासन में तमंचे और कट्टे बनते थे, जबकि आज उत्तर प्रदेश में लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण हो रहा है। यह प्रदेश की बदलती तस्वीर और बेहतर कानून–व्यवस्था का परिणाम है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने इसका शिलान्यास तो कर दिया था, लेकिन परियोजना की अनुमानित लागत 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक रखी गई थी। उनकी सरकार ने प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृतियों की दोबारा समीक्षा कराई, जिसके बाद करीब 11,500 करोड़ रुपये में ही पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरा कराया गया। उन्होंने कहा कि इससे हजारों करोड़ रुपये की सार्वजनिक धनराशि की बचत हुई और गुणवत्तापूर्ण एक्सप्रेसवे प्रदेश को मिला। अपने संबोधन में उन्होंने बाराबंकी की भौगोलिक और धार्मिक महत्ता का भी उल्लेख किया।

मानसून और मानसून सत्र के सक्रिय रहने से होगा देश का कल्याण : मोदी

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मानसून की तरह संसद का मानसून सत्र भी सक्रिय और उत्पादक रहने की आशा व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों ही सक्रिय होंगे तो देश का कल्याण होगा। श्री मोदी संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को संसद परिसर में कहा, "हम प्रार्थना करते हैं कि मानसून भी सक्रिय रहे और मानसून सत्र भी उत्पादक रहे। जब दोनों प्रोडक्टिव होते हैं तो देश का कल्याण होता है।" उन्होंने कहा कि पिछले एक महीने में भारत ने राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और अंतरिक्ष क्षेत्र में कई ऐसी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनसे हर देशवासी गर्व महसूस कर सकता है। श्री मोदी ने कहा कि पिछले वर्ष मानसून सत्र से एक दिन पहले एक भारतीय नागरिक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पहुंचा था और इस बार सत्र से दो दिन पहले ही एक भारतीय युवा स्टार्टअप ने अंतरिक्ष क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि यह केवल संयोग नहीं बल्कि इस बात का संदेश है कि भारत के युवाओं की आकांक्षाएं और क्षमताएं अंतरिक्ष जितनी असीम हैं। उन्होंने कहा कि देश के स्टार्टअप में काम करने वाले युवाओं की औसत आयु करीब 28 वर्ष है और यही युवा भारत के भविष्य को नई दिशा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार होकर आज देश चल पड़ा है. उसी का नतीजा है कि भारत के नौजवान इतना बड़ा साहस कर पाते हैं और सफल भी हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों राजस्थान में बहुत बड़ी ऑयल रिफाइनरी देश को समर्पित की गई। कुछ सप्ताह पहले देश का तीसरा सेमीकंडक्टर प्लांट देश को समर्पित किया गया। अभी कुछ दिन पहले ग्रीन हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन देश को समर्पित की गई है। विश्व के बहुत कम देश ऐसे हैं, जिसके पास ये सुविधा है, लेकिन भारत ने जो हाइड्रोजन ट्रेन देशवासियों को समर्पित की है।

पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी समर्थकों को जंतर-मंतर से हटाया

संसद तक पहुंच गए थे प्रदर्शनकारी, सीजेपी डेलीगेशन नड्डा से मिला

नई दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलनकारियों को जंतर–मंतर से हटा दिया गया है। पुलिस ने मंच खाली करा लिया है और टेंट भी निकाल दिए हैं। प्रदर्शनकारियों को भी वहां से खदेड़ा जा रहा है। इस दौरान पुलिस ने जबरदस्त लाठीचार्ज भी किया।

उधर, सीजेपी का दावा है कि अभिजीत दीपके को हिरासत में ले लिया गया है। हालांकि, पुलिस ने इससे इनकार किया है। सोमवार सुबह 8 बजे से शुरू हुए प्रदर्शन में पुलिस के गई है। मेन गेट को बंद कर दिया गया। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। पुलिस के एक्शन के बाद इसके बाद भीड़ तितर–बितर हो गई। जब बाहर ये हंगामा चल रहा था उस वक्त पीएम समेत सभी सांसद संसद में मौजूद थे। इस पूरे घटनाक्रम के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधि जेपी नड्ढा से मिले। इनका दावा है कि नड्डा ने उन्हें यह भरोसा दिलाया है कि जंतर–मंतर और उसके आस–पास अब कोई कार्रवाई नहीं होगी।

बारिश बनी आफत: गांदरबल में फटा बादल, कारगिल में फ्लैश फ्लड का कहर

गांदरबल/कारगिल,(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के गांदरबल जिले के सफापोरा में सोमवार को बादल फटने से जनजीवन प्रभावित हो गया, जबकि कारगिल में फ्लैश फ्लड ने कई घरों, खेतों और बाग–बगीचों को भारी नुकसान पहुंचाया। जम्मू–कश्मीर में लगातार हो रही बारिश ने कई इलाकों में भारी तबाही मचाई है। सोमवार को गांदरबल जिले के सफापोरा स्थित शेख मोहल्ला में बादल फटने की घटना से इलाके में अफरा–तफरी मच गई। वहीं कारगिल में आए फ्लैश फ्लड ने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है। कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जबकि कृषि भूमि और बाग–बगीचों को भी भारी नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार सफापोरा के शेख मोहल्ला में अचानक बादल फटने के बाद तेज बहाव के साथ पानी और मलबा रिहायशी इलाके में घुस गया। इससे स्थानीय संपत्तियों को नुकसान पहुंचा और लोगों का सामान्य जनजीवन प्रभावित हो गया। घटना के बाद प्रशासन ने हालात का जायजा लेना शुरू कर दिया है। स्थानीय लोगों ने प्रभावित परिवारों को जल्द राहत उपलब्ध कराने और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे को शीघ्र बहाल करने की मांग की है।

रायगढ़ में पेशवाकालीन वीरेश्वर मंदिर में 40 लाख की चोरी

मुंबई,एजेंसी। मुंबई से सटे रायगढ़ जिले के खोपोली में स्थित ऐतिहासिक पेशवाकालीन भगवान वीरेश्वर मंदिर में चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। नकाबपोश चोर शिवलिंग पर चढ़ा करीब 17 किलो वजनी चांदी का कवच चोरी कर ले गए। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 40 लाख रुपये बताई जा रही है। पूरी वारदात मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। खोपोली पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, चोरी की यह घटना शनिवार और रविवार की दरमियानी रात हुई। रविवार तड़के करीब पांच बजे जब पुजारी और मंदिर के सेवक रोज की तरह कपाट खोलने पहुंचे, तो शिवलिंग पर लगा चांदी का कवच गायब मिला। इसके बाद मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों को सूचना दी गई। ट्रस्ट ने पूरे परिसर की जांच करने के बाद खोपोली पुलिस को मामले की जानकारी दी।

जगन्नाथ मंदिर में वीआईपी दर्शन का फर्जी दावा

पुरी, एजेंसी। जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान वीआईपी दर्शन के नाम पर श्रद्धालुओं को ठगने के लिए बनी एक फर्जी वेबसाइट के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। इसके साथ ही श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने सोमवार को भुगतान लेकर श्वीआईपी दर्शनश कराने का दावा करने वाले फर्जी विज्ञापनों से लोगों को सावधान रहने की सलाह दी। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि 12वीं सदी के इस मंदिर में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। एसजेटीए ने श्ईओडिशाश नामक एक पोर्टल के खिलाफ सिंहद्वार थाने में शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि यह पोर्टल पैसे लेकर मंदिर में विशेष दर्शन कराने का दावा कर ओडिशा के बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को गुमराह कर रहा था। विशेष कार्याधिकारी (सुरक्षा) हेमंत कुमार पाधी ने शिकायत में कहा, श्श्री जगन्नाथ मंदिर, पुरी में भुगतान लेकर वीआईपी दर्शन की कोई व्यवस्था नहीं है। न ही एसजेटीए ने किसी व्यक्ति या संस्था को इस तरह के दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराने की अनुमति दी है।

त्रिपुरा के डीजीपी अनुराग धनखड़ ने पुलिस मुख्यालय में आत्महत्या की

अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ सोमवार को अगरतला स्थित राज्य पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में अपने कार्यालय कक्ष में मृत मिले। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, उनका शव कार्यालय के भीतर फंदे से लटका मिला। इसके बाद उन्हें तत्काल गोविंद बल्लभ पंत (जीबीपी) अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोपहर 12रू48 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, मुख्य सचिव जे.के. सिन्हा, पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी पुलिस मुख्यालय पहुंचे। इसके बाद सभी जीबीपी अस्पताल भी पहुंचे। पूरे पुलिस मुख्यालय परिसर को सुरक्षा घेरे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। राज्य सरकार ने मामले की मजिस्ट्रेट स्तर पर जांच कराने का फैसला किया है। मौत के कारणों को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि, आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। वहीं, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फोरेंसिक जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ही मौत के कारणों पर अंतिम निष्कर्ष निकाला जाएगा। त्रिपुरा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक देबरॉय ने भी कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

रूठकर यमुना में कूदा पति, पीछे-पीछे पत्नी ने भी लगा दी छलांग

प्रयागराज। कैंट थाना क्षेत्र के नेवादा राजापुर में रहने वाले एक पति–पत्नी के बीच तकरार इतनी बढ़ गई कि दोनों ने एक के बाद एक यमुना में छलांग लगा दी। इस दर्दनाक घटना में पति की मौत हो गई, जबकि पत्नी को बचा लिया गया।

कैंट थाना क्षेत्र के नेवादा राजापुर में रहने वाले एक पति–पत्नी के बीच तकरार इतनी बढ़ गई कि दोनों ने एक के बाद एक यमुना में छलांग लगा दी। इस दर्दनाक घटना में पति की मौत हो गई, जबकि पत्नी को बचा लिया गया। घटना रविवार शाम नैनी के नए यमुना पुल पर हुई। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचा। महिला को सुरक्षित बाहर निकालकर स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जबकि युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक की पहचान आकाश सोनकर उर्फ नन्हा (32) पुत्र पप्पू सोनकर, निवासी नेवादा राजापुर, कैंट के रूप में हुई है। उसकी पत्नी मुस्कान सोनकर (30) का एसआरएन अस्पताल में उपचार चल रहा है।

पुलिस के अनुसार, पति–पत्नी के बीच लंबे समय से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। परिजनों ने बताया कि रविवार शाम करीब छह बजे आकाश का पत्नी मुस्कान से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसी दौरान वह घर से निकल गया। पीछे पीछे पत्नी मुस्कान भी निकली और दोनों नए यमुना पुल पहुंचकर एक एक नदी में छलांग लगा दी। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस और बचाव दल को सूचना दी।

रेस्क्यू टीम ने महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन आकाश को नहीं बचाया जा सका। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कीडगंज पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में घटना के पीछे पारिवारिक कलह की बात सामने आई है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

सोनम वांगचुक के समर्थन में आप ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन, धर्मेंद्र प्रधान का मांगा इस्तीफा

प्रयागराज। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सोनम वांगचुक के समर्थन में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए इस्तीफे की मांग की।

आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सोनम वांगचुक के समर्थन में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए इस्तीफे की मांग की। जिलाध्यक्ष ने कहा कि केंद्र सरकार ने पेपर लीक कराकर 22 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य को अंधकारमय करने का अपराध किया है। अब तक विभिन्न परीक्षाओं के 90 से अधिक परीक्षाएं या तो निरस्त हो चुकी हैं या पर्चा लीक हो चुका है।

केंद्र सरकार की मिलीभगत से देश के नौजवानों का भविष्य चौपट हो रहा है। इसके विरोध में दिल्ली के जंतर मंतर पर धरने पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जबरन उठाया जाना और भी दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार का लोकतांत्रिक प्रक्रिया में कोई विश्वास नहीं है। धरना प्रदर्शन और नारेबाजी के बाद राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा गया।

बस अड्डे के लिए रक्षा मंत्रालय से हरी झंडी का इंतजार, देना पड़ सकता है किराया

प्रयागराज। शहर को जाम से निजात दिलाने और यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए जिला प्रशासन और रोडवेज की नजरें अब रक्षा मंत्रालय पर टिकी हैं। परेड क्षेत्र में सेना की जमीन पर अस्थायी बस अड्डा बनाने के प्रस्ताव पर अंतिम मुहर के लिए प्रस्ताव मंत्रालय को भेजा गया है। चर्चा है कि रक्षा मंत्रालय रोडवेज को यह भूमि देने

के बदले में शुल्क ले सकता है। सिविल लाइंस और जीरोरोड बस स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य पिछले वर्ष ही शुरू हुआ है। बसों का संचालन विद्या वाहिनी मैदान के अस्थायी बस स्टेशन से हो रहा है। यहां पर्याप्त जगह न होने से बसें सड़कों पर खड़ी हो जाती हैं और जाम लग जाता है। इसके समाधान के लिए पहले भी रोडवेज और जिला प्रशासन ने सेना से परेड क्षेत्र में जमीन मांगी थी, लेकिन अनुमति नहीं मिली थी। हाल में बैरहना बांगड़ धर्मशाला के सामने परेड क्षेत्र की जमीन को फिर से बस अड्डे के लिए प्रस्तावित किया गया और सेना से भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। प्रस्ताव के अनुसार, अगर परेड में जमीन मिलती है तो वहां से वाराणसी, गोरखपुर एवं पूर्वांचल के तमाम शहरों के साथ मिर्जापुर, बांदा, चित्रकूट, रीवा, सोनभद्र के लिए बसों का संचालन होगा। वहीं, विद्या वाहिनी बस अड्डे से अयोध्या, प्रतापगढ़, लखनऊ, दिल्ली, कानपुर, आगरा, बरेली व हल्द्वानी रूट की बस चलाने की योजना है।

15 करोड़ से बनी शास्त्री पुल की सड़क चार दिन में ध्वस्त, ड्रामर उखड़ा, दिखने लगी लोहे की सरिया

प्रयागराज। करीब 15 करोड़ रुपये की लागत से बनी शास्त्री पुल की सड़क आवागमन के चार दिन बाद ही ध्वस्त हो गई है। दारागंज–झूंसी लेन की सड़क रविवार को दो घंटे हुई पहली बारिश भी नहीं झेल पाई। सड़क का डामर झूंसी की ओर उखड़ गया था।

करीब 15 करोड़ रुपये की लागत से बनी शास्त्री पुल की सड़क आवागमन के चार दिन बाद ही ध्वस्त हो गई है। दारागंज–झूंसी लेन की सड़क रविवार को दो घंटे हुई पहली बारिश भी नहीं झेल पाई। सड़क का डामर झूंसी की ओर उखड़ गया था। इससे लोहे की सरिया दिखने लगी थी। लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और सड़क की ध्वस्त जगह को बैरिकेडिंग कर दी।

शास्त्री पुल के दारागंज झूंसी लेन की तकरीबन 2200 मीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य चार जून से शुरू किया गया था। करीब 15 करोड़ की लागत से बनी सड़क पर सवा महीने तक चले निर्माण कार्य के बाद 15 जुलाई से आवागमन शुरू हुआ है। इसी बीच रविवार को हुई बारिश के बाद वॉटर प्रूफ

सड़क का डामर झूंसी की ओर उखड़ गया। इस दौरान सड़क के नीचे लगी लोहे की सरिया दिखने लगी। हालांकि प्रभावित लेन पर आवागमन सुचारू रहा। लोक निर्माण विभाग के अफसर इसे मामूली गड़बड़ी बता रहे हैं।

दो विभागों के फेर में शास्त्री पुल की स्ट्रीट लाइट बुझी

लोक निर्माण विभाग और नगर निगम की आपसी खींचतान में पुल पर स्ट्रीट लाइट नहीं जल पाई है, जिससे शाम होते ही अंधेरा पसर जा रहा है। इससे लोगों में भारी असंतोष व्याप्त है। लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता ने बताया कि पुल पर लगाए गए स्ट्रीट लाइटों की जिम्मेदारी नगर निगम की है। हमारे विभाग से इससे कोई मतलब नहीं है।

चार दिन पहले ही निर्माण कार्य पूरा हुआ है और भारी वाहनों की आवाजाही के दौरान एक्सटेंशन जॉइंट अपनी जगह से थोड़ा बहुत आगे पीछे करता है। इस वजह से उसके पास की सड़क पर थोड़ा दवाब बनता है, जिससे यह समस्या उत्पन्न हो जाती है। सोमवार को निरीक्षण करने के बाद ध्वस्त जगह की मरम्मत करा दी जाएगी। – केएस श्रीवास्तव, सहायक अभियंता, खंड तीन, लोक निर्माण विभाग

इलाहाबाद हाईकोर्ट की सख्ती - जघन्य मामलों में नामजद अधिवक्ता नहीं कर सकेंगे वकालत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि जघन्य अपराधों में नामजद अधिवक्ता वकालत नहीं कर सकेंगे। कोर्ट ने इस संबंध में महानिबंधक को इस संबंध में अधिसूचना जारी करने का भी निर्देश दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सात साल से ज्यादा की सजा वाले जघन्य मामलों में नामजद वकील वकालत नहीं कर सकेंगे। बेगुनाह साबित होने से पहले वे किसी कोर्ट में न पेश होंगे न ही बहस करेंगे। उनका ट्रायल भी उनके गृह जनपद से सौ किलोमीटर दूर दूसरे जिले में होगा।

प्रदेश के दागी वकीलों पर सख्त टिप्पणी करते हुए न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकल पीठ ने कहा कि जब सत्ता और अधिकार रखने वाले लोग अन्याय के सामने मूकदर्शक रहते हैं तो उसका दुष्परिणाम केवल अपराधी तक सीमित नहीं रहता बल्कि निर्दोष लोगों और आने वाली पीढ़ियों को भी कीमत चुकानी पड़ती है।

कोर्ट ने कहा है कि ऐसे तत्वों की मौजूदगी न केवल न्यायिक प्रक्रिया को कमजोर कर रही है बल्कि यह एक गंभीर संस्थागत और नैतिक संकट भी उत्पन्न कर रही है।

इटावा के एक वकील की याचिका पर 61 पेज के अपने फैसले में कोर्ट ने यूपी बार काउंसिल के सचिव को फर्जी डिग्रीधारी 105 वकीलों के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी की एफआईआर कराने व उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का आदेश दिया है। साथ ही सुझाव दिया कि अधिवक्ता पंजीकरण के लिए पुलिस वेरिफिकेशन को अनिवार्य किया जाए। बार काउंसिल व विश्वविद्यालयों के बीच डिजिटल लिंक स्थापित हो ताकि डिग्रियों का रियल–टाइम सत्यापन संभव हो सके। कोर्ट ने दिए गए निर्देशों की अनुपालन आख्या तलब करते हुए मामले को 20 अगस्त को सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है।

प्रदेश भर में 4,157 दागी वकीलों पर दर्ज है 5,056 मामले

कोर्ट ने पाया कि बार काउंसिल की ओर से पेश रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश भर में 4,157 अधिवक्ता दागी है। कोर्ट ने कहा कि 105 की फर्जीवाड़े की रिपोर्ट ने न्यायिक जगत को हिला कर रख दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, पूरे उत्तर प्रदेश में 4,157 अधिवक्ता आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं, जिनमें कुल 5,056 मामले दर्ज हैं। इनमें से 418 अधिवक्ता ऐसे हैं, जिन पर तीन या उससे अधिक मामले चल रहे हैं।

कोर्ट ने कहा कि चिंताजनक बात यह है कि 28 अधिवक्ता तो ऐसे हैं, जिनके खिलाफ 11 या उससे अधिक गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा, एक सत्यापन प्रक्रिया में 105 ऐसे अधिवक्ताओं की पहचान हुई है जिन्होंने फर्जी शैक्षणिक डिग्री (एलएलबी, स्नातक आदि) के आधार पर पंजीकरण हासिल कर लिया है। हालांकि, कोर्ट ने इन आंकड़ों को सतही करार दिया। कहा कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है।

काउंसिल की कार्यप्रणाली पर भी उठाए सवाल

कोर्ट ने यूपी बार काउंसिल की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। कहा कि बार काउंसिल में पंजीकरण की अपनाई जाने वाली सत्यापन प्रक्रिया काफी कमजोर है। वह केवल स्व–घोषणा और अधिवक्ता साथियों के प्रमाण पर निर्भर है। नामांकन के समय न तो चरित्र सत्यापन होता है और न ही डिग्री का विश्वविद्यालयों से स्वतंत्र सत्यापन किया जाता है। कोर्ट ने यूपी बार काउंसिल की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। कहा कि बार काउंसिल में पंजीकरण की अपनाई जाने वाली सत्यापन प्रक्रिया काफी कमजोर है। वह केवल स्व–घोषणा और अधिवक्ता साथियों के प्रमाण पर निर्भर है। नामांकन के समय न तो चरित्र सत्यापन होता है और न ही डिग्री का विश्वविद्यालयों से स्वतंत्र सत्यापन किया जाता है।

महानिबंधक को अधिसूचना जारी करने का आदेश

कोर्ट ने महानिबंधक को 30 दिन में वकीलों के लंबित मुकदमे पड़ोसी जिले में स्थानांतरित करने की योजना अधिसूचना के जरिये जारी करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था अगले पांच वर्षों के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू की गई है। इन मामलों की सुनवाई के लिए जिला जज के अधीन विशेष अदालतें होंगी। इन मामलों की निगरानी संबंधित जिला जज करेंगे।

वकील अदालतों के अधिकारी होते हैं। हाल के वर्षों में देखा गया है कि कुछ वकील आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं। वे अपने जिले में साथी वकीलों के समूहों के साथ निष्पक्ष ट्रायल में बाधा उत्पन्न करते है। – इलाहाबाद हाईकोर्ट

गंगा स्थिर, यमुना का भी जलस्तर घटा, फिलहाल प्रशासन अलर्ट मोड पर

प्रयागराज। जिले में रविवार को बारिश थमने के साथ गंगा और यमुना के जलस्तर में मामूली बदलाव दर्ज किया गया। रात शाम आठ बजे जारी बाढ़ नियंत्रण कक्ष की रिपोर्ट के अनुसार यमुना का जलस्तर नैनी में एक सेंटीमीटर घटकर 73.83 मीटर पर पहुंच गया, जबकि गंगा का जलस्तर फाफामऊ में 77.95 मीटर पर स्थिर बना रहा। सोमवार को अच्छी बारिश के बाद फिर जलस्तर बढ़ सकता है। जिले में रविवार को बारिश थमने के साथ गंगा और यमुना के जलस्तर में मामूली बदलाव दर्ज किया गया। रात शाम आठ बजे जारी बाढ़ नियंत्रण कक्ष की रिपोर्ट के अनुसार यमुना का जलस्तर नैनी में एक सेंटीमीटर घटकर 73.83 मीटर पर पहुंच गया, जबकि गंगा का जलस्तर फाफामऊ में 77.95 मीटर पर स्थिर बना रहा। छतनाग में गंगा का जलस्तर दो सेंटीमीटर घटकर 73.59 मीटर दर्ज किया गया। सोमवार को फिर तेज बारिश के बाद जलस्तर बढ़ सकता है।

इससे पहले शाम चार बजे जारी रिपोर्ट में नैनी में यमुना का जलस्तर 73.84 मीटर, फाफामऊ में गंगा 77.95 मीटर और छतनाग में 73.61 मीटर दर्ज किया गया था। वहीं, सुबह आठ बजे की रिपोर्ट में रात की बारिश के कारण गंगा में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अनुसार जिले में खतरे का निशान 84.734 मीटर है। गंगा–यमुना दोनों अभी इससे काफी नीचे बह रही हैं। दशाश्वमेध घाट पर मौजूद जल पुलिस के जय प्रकाश यादव ने यादव ने बताया कि यहां जैसे–जैसे यमुना नदी का जलस्तर बढ़ रहा है, वैसे–वैसे जल में लगाया गया बैरिकेड पीछे किया जा रहा है। साथ ही लोगों को बढ़ने जलस्तर की वजह से ज्यादा आगे जाकर स्नान नहीं करने की भी सलाह की जा रही है। नदियों के किनारे सुबह चार बजे से रात रात आठ बजे तक गोताखोर भी कड़ी नजर रख रहे हैं। वहीं, पुजारी रोहित मिश्रा ने बताया कि गंगा नदी के जलस्तर में पिछले कुछ दिनों में तीन मीटर से ज्यादा की बढ़ोतरी हो चुकी है। घाट की कई सीढ़िया जलमग्न हो गई हैं। वहीं, पूजा करने वाले हम लोग भी लगातार अपने बैठने की जगह में लगातार परिवर्तन कर रहे हैं। गंगा और यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच जिले के विभिन्न घाटों पर तैनात गोताखोरों ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। दो शिफ्ट में सुबह चार से दोपहर 12 और दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक गोताखोर को लगाया गया है। दशाश्वमेध घाट पर तैनात गोताखोर अमर कुमार बिंद, महेश कुमार निषाद और सनी निषाद ने बताया कि जल पुलिस से मिले दिशा–निर्देशों के तहत काम करते हैं।

कपारी तो सिर्फ एक सिरा, 8 किमी दूर सिंहपुर गांव भी कैंसर की जद में

प्रयागराज। विकास खंड शंकरगढ़ की ग्राम पंचायत पहाड़ी कला में दो से तीन वर्षों में 15 कैंसर रोगी मिले, जिनमें से 13 की मौत हो चुकी है। सिर्फ पहाड़ी कला ही नहीं बल्कि कपारी में भी कैंसर ने पांव पसारे हैं। विकास खंड शंकरगढ़ की ग्राम पंचायत पहाड़ी कला में दो से तीन वर्षों में 15 कैंसर रोगी मिले, जिनमें से 13 की मौत हो चुकी है। सिर्फ पहाड़ी कला ही नहीं बल्कि कपारी में भी कैंसर ने पांव पसारे हैं। शंकरगढ़ से आठ किमी दूर सिंहपुर गांव के साथ कई ग्राम पंचायतों को कैंसर ने जकड़ रखा है।ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में दूषित पानी की समस्या वर्षों से है लेकिन अब हालात तेजी से बिगड़ने लगे हैं और कैंसर मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

यहां तक कि पहाड़ी कला के सटे देउरी बेनी गांव के प्रधान दिनेश को भी कैंसर ने चपेट में ले लिया है। 32 वर्षीय दिनेश बताते हैं कि अप्रैल में पेट के कैंसर का पता चला तो कमला नेहरू मेमोरियल अस्पताल में इलाज शुरू हुआ और अब उन्हें आराम है।सिंहपुर गांव निवासी दल प्रताप सिंह ने बताया कि उनके पिता रामजियावन सिंह छह साल पहले कैंसर से दुनिया छोड़ गए।

गांव के ही बालेंद्र सिंह ने बताया कि उनके पिता तेज बहादुर सिंह का भी कुछ वर्षों पहले कैंसर से निधन हो गया था। गांव की ही आशादेवी सिंह व मीना देवी सिंह का भी कैंसर से निधन हो चुका है।दल प्रताप ने बताया कि मध्य प्रदेश के सरकारी महकमे से सेवानिवृत्त इंद्रसेन सिंह को भी कैंसर हो गया है। सेवानिवृत्ति के बाद वह गांव में वापस आकर रह रहे हैं।

खेत में सिंचाई के दौरान पति-पत्नी करेंट से झुलसे, महिला की मौत

प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के सारीपुर गांव में रविवार देर रात खेत की सिंचाई के दौरान करंट प्रवाहित लोहे की बाड़ की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। पति ने डंडे की मदद से पत्नी को बचाने का भरसक प्रयास किया। घूरपुर थाना क्षेत्र के सारीपुर गांव में रविवार देर रात खेत की सिंचाई के दौरान करंट प्रवाहित लोहे की बाड़ की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। पति ने डंडे की मदद से पत्नी को बचाने का भरसक प्रयास किया, वह भी आंशिक रूप से झुलस गया जबकि गंभीर रूप से झुलस चुकी महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई।

सारीपुर गांव निवासी दुर्गा प्रसाद द्विवेदी रविवार देर रात अपनी 45 वर्षीय पत्नी पुष्पा के साथ खेत की सिंचाई कर रहे थे। रात करीब दो बजे दोनों खेत की मेड़ पर घूमकर यह देख रहे थे कि पूरे खेत में पानी पहुंचा है या नहीं। इसी दौरान बगल वाले खेत के चारों ओर लगे लोहे के तार की बाड़ के पास पहुंचते ही पुष्पा करंट की चपेट में आ गईं। बताया जा रहा है कि बगल मे ही खेत की सुरक्षा के लिए लगाए गए लोहे के तार में घर से बिजली का कनेक्शन जोड़कर करंट प्रवाहित किया गया था। इसकी जानकारी दंपती को नहीं थी। करंट लगते ही महिला तार से चिपक गई। पति दुर्गा प्रसाद ने डंडे से पत्नी को छुड़ाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद वह दौड़कर संबंधित व्यक्ति के घर पहुंचे और घटना की जानकारी दी। संबंधित व्यक्ति के द्वारा अपने घर से बिजली का कनेक्शन काटे जाने के बाद, ग्रामीणों की मदद से महिला को तत्काल एसआरएन अस्पताल, प्रयागराज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका अपने पीछे पति, तीन बेटियां बड़ी बेटी दिव्या जिसकी शादी हो गई है, राखी और नव्या दो छोटी बेटी है और एक बेटा आदित्य द्विवेदी को छोड़ गई हैं। बेटा आदित्य द्विवेदी प्रयागराज मे प्राइवेट नौकरी करता है। घटना के बाद पूरे गांव के लोग शोकाकुल हैं। पुष्पा की अन्त्येष्टि गांव में ही यमुना घाट पर कर दी गई।

मध्यस्थ को पंजीकृत बिक्री विलेख की वैधता पर फैसला देने का अधिकार नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सहकारी समिति अधिनियम के तहत नियुक्त मध्यस्थ को किसी पंजीकृत बिक्री विलेख की वैधता पर फैसला देने या उसे शून्य घोषित करने का अधिकार नहीं है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सहकारी समिति अधिनियम के तहत नियुक्त मध्यस्थ को किसी पंजीकृत बिक्री विलेख की वैधता पर फैसला देने या उसे शून्य घोषित करने का अधिकार नहीं है। यह अधिकार केवल सिविल न्यायालय के पास है। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने मेरठ निवासी भूपेंद्र सिंह की याचिका निस्तारित कर दी। याची ने मेरठ के संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबंधक, सहकारिता के 29 जनवरी के आदेश को चुनौती दी थी। आयुक्त ने बतौर मध्यस्थ याची के पक्ष में निष्पादित बिक्री विलेख को शून्य घोषित कर दिया था। याची के अधिवक्ता ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला दिया। दलील दी कि सहकारी समिति अधिनियम की मध्यस्थता की कार्यवाही में पंजीकृत बिक्री विलेख की वैधता की जांच नहीं की जा सकती। यदि किसी को बिक्री विलेख पर आपत्ति है तो उसे सिविल कोर्ट में चुनौती दी जानी चाहिए। वहीं, प्रतिवादियों ने याचिका की पोषणीयता पर आपत्ति उठाई। कहा कि याची के पास अपील का वैधानिक विकल्प उपलब्ध है। लिहाजा, याचिका पोषणीयता के आधार पर निरस्त की जानी चाहिए।

हालांकि, कोर्ट ने याचिका निस्तारित करते हुए स्पष्ट किया कि मौजूदा मामले में मध्यस्थ ने बिक्री विलेख को शून्य घोषित कर दिया है। जबकि सुप्रीम कोर्ट पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि बिक्री विलेख की वैधता का परीक्षण सहकारी समिति अधिनियम की कार्यवाही में नहीं किया जा सकता। इसलिए याचिका सुनवाई योग्य है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई पक्ष बिक्री विलेख को चुनौती देना चाहता है तो उसे सिविल न्यायालय का रुख करना होगा। जब तक सिविल कोर्ट बिक्री विलेख को निरस्त करने का आदेश नहीं देता, तब तक मध्यस्थ का निर्णय बिक्री विलेख की वैधता को प्रभावित नहीं करेगा।

शर्मनाक: चाचा के दोस्त ने किशोरी से किया दुष्कर्म, गर्भवती होने पर खुला राज

प्रयागराज। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में किशोरी से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी पीड़िता के चाचा का दोस्त है। आरोपी को जेल भेज दिया गया है। पीड़ित परिवार ने तहरीर में बताया कि आरोपी फूलपुर के जनुआडीह खुर्द, वरुणा बाजार का रहने वाला है। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में किशोरी से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी पीड़िता के चाचा का दोस्त है। आरोपी को जेल भेज दिया गया है। पीड़ित परिवार ने तहरीर में बताया कि आरोपी फूलपुर के जनुआडीह खुर्द, वरुणा बाजार का रहने वाला है। वह स्टेशन पर मजदूरी करता है। पीड़िता के चाचा भी उसी स्टेशन पर काम करते हैं। आरोपी अक्सर पीड़िता के चाचा के घर आता–जाता था। इसी दौरान उसने पीड़िता से नजदीकी बढ़ाई और दुष्कर्म किया। कुछ दिन बाद पीड़िता के गर्भवती होने की जानकारी होने पर परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी। खुल्दाबाद पुलिस ने रविवार को आरोपी को करबला बगिया क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पुलिस ने आग के हवाले किया 42.10 लाख रुपये का गांजा, कर्नलगंज

प्रयागराज। नशे के कारोबार पर शिकंजा कसने के लिए कमिश्नरेट पुलिस ने रविवार को 'ऑपरेशन दहन' के तहत कार्रवाई की। कर्नलगंज और बहरिया थानों में अलग–अलग मामलों में बरामद लगभग 42.10 लाख रुपये के 84.210 किलोग्राम गांजा को उच्च स्तरीय समिति की निगरानी में जलाकर नष्ट कर दिया गया। नशे के कारोबार पर शिकंजा कसने के लिए कमिश्नरेट पुलिस ने रविवार को 'ऑपरेशन दहन' के तहत कार्रवाई की। कर्नलगंज और बहरिया थानों में अलग–अलग मामलों में बरामद लगभग 42.10 लाख रुपये के 84.210 किलोग्राम गांजा को उच्च स्तरीय समिति की निगरानी में जलाकर नष्ट कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, कर्नलगंज थाने के 18 मामलों में बरामद 59.760 किलोग्राम गांजा जिसकी अनुमानित कीमत 29.88 लाख रुपये और बहरिया थाने के एक मामले में बरामद 24.450 किलोग्राम गांजा जिसकी अनुमानित कीमत 12.22 लाख रुपये का निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत नष्ट किया गया। रविवार को उच्च स्तरीय समिति की मौजूदगी में वायु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मान्यता प्राप्त व्यवस्था के तहत करीब तीन घंटे चली प्रक्रिया में पूरे मादक पदार्थ को भारी सुरक्षा के बीच जलाकर नष्ट किया गया। इस दौरान पुलिस उपायुक्त मुख्यालय, अपर पुलिस उपायुक्त अपराध, कर्नलगंज थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार, बहरिया थानाध्यक्ष मानवेंद्र कुमार सिंह, नारकोटिक्स टास्क फोर्स के प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश गिरी आदि रहे।

दिल्ली इकाई की काव्यगोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

दिल्ली। शहर समता विचार मंच दिल्ली इकाई जुलाई माह की काव्य गोष्ठी का संयोजन अफरोज अजीज ने किया।

कार्यक्रम अध्यक्ष बेनु सतीश कान्त की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि उमा मिश्रा थी।

काव्य गोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन सरस्वती

की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना उमा मिश्रा के द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन अर्चना झा ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सखियों ने सुंदर प्रस्तुति दी। मनोरमा श्रीवास्तव, स्नेहलता पाण्डेय, चंचल हरेंद्र वशिष्ट, मधु अरोरा, सुनीता मिश्रा, उमा मिश्रा , अफरोज अजीज एवं अर्चना झा 'अन्नू' की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति ने आयोजन में चार चाँद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन अफरोज जी ने किया।

मेडिकल परीक्षा धांधली और पेपर लीक पर मायावती ने मोदी सरकार को दी खुली चेतावनी

लखनऊ (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने संसद के मानसून सत्र की शुरुआत पर केंद्र सरकार से जनहित के मुद्दों पर गंभीरता से ध्यान देने की मांग करते हुए कहा कि देश में राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों के बीच संसद से लेकर सड़कों तक टकराव की स्थिति से बचना चाहिए। सोमवार को सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में मायावती ने कहा कि मेडिकल समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रियाओं में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं और पेपर लीक की घटनाओं से युवाओं में भारी निराशा और असंतोष है। उन्होंने कहा कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए सरकार को तुरंत प्रभावी कदम उठाने चाहिए तथा दोषियों के साथ–साथ परीक्षा प्रणाली से जुड़े जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध भी कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अभाव के कारण निजी स्कूलों और कोचिंग संस्थानों पर निर्भरता बढ़ रही है, जिससे आम परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक सरकारी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और छात्रों–छात्राओं को आगे बढ़ाने में बाधक तत्वों पर अंकुश लगाने की आवश्यकता बताई। मायावती ने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि वे अपने पैरों पर खड़े होकर सम्मानजनक जीवन जी सकें। उन्होंने शिक्षा के लिए पर्याप्त बजटीय प्रावधान करने और उसकी गुणवत्ता सुधारने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि इन मुद्दों पर समय रहते गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया तो युवाओं में असंतोष बढ़ेगा और विभिन्न स्थानों पर आंदोलन तेज हो सकते हैं। सरकार को संवेदनशीलता के साथ इन समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

हजरत कासिम शहीद बाबा का सालाना उर्स दिनांक 27, 28, 29 जुलाई 2026 की तैयारियाँ जोरो पर

लखनऊ (संवाददाता)। हजरत शहीद कासिम शहीद बाबा सेवा समिति दिलकुशा गार्डन, विलायती बाग कैन्ट, लखनऊ में सेवा समिति के कार्यालय में कार्यकारिणी की बैठक दरगाह शरीफ के सज्जादा नशीन जुबैर अहमद खाँन की अध्यक्षता में हुई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों,कार्यकारिणी सदस्य द्वारा प्रतिवर्ष की भाँति दरगाह हजरज कासिम शहीद रहमतुल्लाह अलैह का सालाना उर्स मुबारक दिनांक 27, 28, 29 जुलाई 2026 से मनाये जाने के सम्बन्ध में दरगाह कमेटी के अध्यक्ष ने कहा कि सालाना उर्स मुबारक तीन दिनों तक मनाया जायेगा, जिसमें विगत वर्षों के तरह सभी विभिन्न कार्यक्रम किये जायेगें। जायरीनों के लिए दरगाह कमेटी द्वारा हेल्प लाईन मोबाईल नम्बर–9335242288 जारी किया गया है,उर्स मुबारक सम्बंधित जानकारी जायरीन कॉल व व्हाट्सएप्प से ले सकते हैं। उर्स सम्बन्धी सभी तैयारियों को अति शीघ्र पूरा करवाने के लिए उपस्थित पदाधिकारियों,सदस्यों का आह्वान किया तथा कहा कि उर्स मुबारक के अवसर पर दिनांक 27.07.2026 को "मिलाद–शरीफ" मगरिब की नमाज के बाद शुरू होगा ईशा की नमाज से पहले खत्म होगा, जिसमें मौलानाओं को मिलाद में शिरकत करने के लिए दावतनामा भेजा जा रहा है तथा बाद नमाज इशा सरकारी चादर चढ़ायी जायेगी जिसमे देश व प्रदेश में अमन चौन खुशाली तथा उपस्थित जायरीनों के लिए दुवाएं की जाएंगी। उसके बाद नातिया मुशायरा होगा। दिनांक 28.07.2026 का मरहूम जमीर अहमद खाँन वारसी सज्जादानशीन के इसाले सवाब के लिए दरगाह के सज्जादा नशीन जुबैर अहमद खाँन के द्वारा जायरीनों को लंगर तकसीम भंडारा मगरिब की नमाज के बाद किया जायेगा। ईशा की नमाज के बाद महफिले शमा विशेष कव्वाली प्रोग्राम होगा एवं दिनांक 29.07.2026 महफिले शमा नातिया कव्वाली प्रोग्राम होगा।

गंगानाथ झा परिसर में पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारम्भ

प्रयागराज। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में परिसर में भारतीय शास्त्रों पर आधारित शास्त्र–विश्लेषण की ओरः

भारतीय शास्त्र परम्परा का आधुनिक भाषा प्रसंस्करण (छस्च) के साथ समन्वय तथा षडिस्कोर्स पार्सिंग (प्रवचन विश्लेषण) के एक स्वदेशी भारतीय सिद्धांत की ओरष शास्त्रीय भारतीय ज्ञान प्रणालियों और आधुनिक एनएलपी (छस्च) के बीच सेतु निर्माण के विशेष सन्दर्भ में पञ्च दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कार्यशाला का शुभारम्भ आज दिनांक 20–07–2026 को परिसर के पं. मदन मोहन मालवीय सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. सुखदा, सहायकाचार्या, आई.आई.टी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एवं सारस्वत अतिथि के रूप में डॉ. सोमापाल, आचार्या, अन्तर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन से उपस्थित समस्त छात्र–छात्राओं को लाभान्वित किया। मुख्यातिथि डॉ. सुखदा ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए आगामी पाँच दिन ज्ञान के दिव्य कोष होने की आशा व्यक्त की। उन्होंने प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण को एक ऐसा कार्य बताया जो किसी पाठ के आंतरिक संगठन को प्रकट करने के लिए वाक्यों के बीच आपसी अर्थ संबंधों और लाक्षणिक संबंधों को निर्धारित करता है। केवल वाक्य–स्तर के विश्लेषण से आगे बढ़कर,

यह यह स्पष्ट करने का प्रयास करता है कि पाठ के विभिन्न घटक मिलकर एक सुसंगत श्प्रवचनश (क्पेबवनतेम) का निर्माण कैसे करते हैं। सारस्वतअतिथि डॉ. सोमापाल ने सुश्रुत संहिता, अष्टांगसंग्रह और अर्थशास्त्र जैसे ग्रंथों में वर्णित भारतीय ज्ञान परम्परा में श्तन्त्रयुक्तिश के महत्व को जानने की आवश्यकता जताई। उन्होंने तन्त्रयुक्तियों का स ं ग ण ा क ी य (ब्वउचनजंजपवदंस) प्रयोग भारतीय भाषाओं के प्रवचन विश्लेषण, अर्थ विश्लेषण और ज्ञान प्रतिनिधित्व के लिए एक स्वदेशी भारतीय सिद्धांत प्रदान करना बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" ने इस कार्यशाला को भारतीय ज्ञान परम्परा की समृद्धता से परिचित होने का सुअवसर बताया। उन्होंने सम्पूर्ण विश्व द्वारा भारत की ओर आशा भरी दृष्टि से देखने का उल्लेख करते हुए तन्त्रयुक्ति विधा को भारतीय ज्ञान परम्परा का अति महत्वपूर्ण अंग बताया। उन्होंने कार्यशाला के प्रतिभागियों से इस कार्यशाला द्वारा लाभान्वित होने का आह्वान किया। परिसर के सहनिदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे ने आगन्तुक सम्मानित अतिथियों का स्वागत करते हुए इस कार्यशाला के आयोजन को भारतीय ज्ञान परम्परा की समृद्धता से अवगत होने का अवसर बताया। कार्यक्रम का संचालन परिसर के सहायक आचार्य डॉ. यशवन्त त्रिवेदी ने किया। उन्होंने कार्यशाला में सम्मिलित होने हेतु देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये हुए छात्र–छात्राओं का स्वागत किया। परिसर के जनसम्पर्क अधिकारी राजेशकान्त तिवारी ने कार्यशाला विषयक सूचना पत्रक उपलब्ध कराया तथा कार्यशाला सम्बन्धी सूचनाएँ उपलब्ध कराई। इस अवसर परिसर के कर्मचारियो, अधिकारियों समेत अन्य परिसरीय सदस्य तथा छात्र–छात्राएँ समुपस्थित रहे।

प्रतापगढ़ गौरव सम्मान के लिए आवेदन आमंत्रित

महान क्रांतिकारी बाबू गुलाब सिंह समाज रत्न व गुड़िया सम्मान के लिए भी प्रविष्टियाँ आमंत्रित, भयहरण नाथ धाम में नागपंचमी पर घुघुरी लोक उत्सव में आयोजित होगा सम्मान समारोह

प्रतापगढ़। जनपद प्रतापगढ़ के विकास में विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान हेतु आयोजन समिति द्वारा प्रतापगढ़ गौरव सम्मान हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया है। वहीं समाज में उत्कृष्ट भूमिका निभाने वाली महिलाओ तथा देश व समाज में जीवन पर्यन्त एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने वाले व्यक्तियों के आवेदन व प्रस्ताव आमंत्रित किया गया है।

यह जानकारी देते हुए प्रतापगढ़ गौरव सम्मान आयोजन समिति के सचिव तथा संयोजक व भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि 2015 से प्रतापगढ़ गौरव सम्मान समारोह का आयोजन समिति के अध्यक्ष पूर्व जिलाधिकारी प्रतापगढ़ एवं पूर्व आयुक्त आर एस वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित होता रहा है। इस वर्ष यह सम्मान समारोह भयहरण नाथ धाम में 17 अगस्त को होने वाले परम्परागत घुघुरी लोक उत्सव में नाग पंचमी को आयोजित होगा।

सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने बताया कि प्रतापगढ़

गौरव सम्मान तथा गुड़िया सम्मान व बाबू गुलाब सिंह समाज रत्न सम्मान हेतु 5 अगस्त तक आयोजन समिति व धाम के ई मेल– bhayharannathdhampbh@gmail.com पर प्रेषित किया जा सकता है। सुविधा हेतु वॉट्स अप नंबर 8400702124 पर भी प्रेषित कर संपर्क किया जा सकता है।

प्रतापगढ़ गौरव सम्मान आयोजन समिति में उपाध्यक्ष प्रो बृज भानु सिंह, प्रो पीयूष कांत शर्मा तथा मानद सदस्य गण संस्कार भारती से शिशिर खरे, यश भारती सम्मान विजेता डॉ शिवानी मातन हेलिया, प्रसिद्ध लेखक डॉ दया राम मौर्य रत्न , लोक मित्र के संपादक संतोष भगवन व राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राजेश मिश्र शामिल है।

उन्होंने बताया कि पूर्व में यह प्रतापगढ़ गौरव सम्मान प्रमुख विशिष्ट व्यक्तित्वों को गत वर्षो में दिया गया है जिसमें प्रशासनिक क्षेत्र में तत्कालीन आई ए एस व आई पी एस जिलाधिकारी गण सर्वश्री अमृत त्रिपाठी, डॉ आदर्श सिंह, शंभु कुमार, सीडीओ राज कमल यादव, एस पी सतपाल अंतिल व डॉ अनिल कुमार शामिल रहे है। राजनीति के क्षेत्र में प्रमोद तिवारी, रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया व राजेंद्र सिंह मोती सिंह को यह सम्मान दिया गया है। साहित्यकार जुमई खा आजाद, आद्या प्रसाद मिश्र उन्मत्त, निर्झर प्रतापगढ़ी ओंकार नाथ उपाध्याय, राजमूर्ति सिंह सौरभ सहित संगीतज्ञ शिवानी मातन हेलिया, पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी सहित विशिष्ट व्यक्तियों को यह सम्मान प्राप्त हो चुका है।

लखनऊ के जवाहर भवन में लगी भीषण आग, भारी क्षति का अनुमान

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के जवाहर भवन में भीषण आग लगी है।जवाहर भवन में कई सरकारी विभागों के दफ्तर हैं। जवाहर भवन में सोमवार सुबह आग लग गई। आग का धुआं काफी दूर से देखा गया है। आग किस वजह से लगी, ये अभी स्घ्पष्ट नहीं हो पाया है। बताया जा रहा है कि आग चौथी मंजिल स्थित खाद्य एवं रसद विभाग के कार्यालय और कैंटीन में लगी है। घटनास्थल से जो तस्वीरें, वीडियो सामने आए हैं, वो यह बताने को काफी है कि आग कितनी भीषण है। दमकल की कई गाड़ियां आग बुझाने में जुटी। बताया जा रहा है कि जवाहर भवन की कैंटीन में आग लगी है। गनीमत रही कि आग लगने से पहले सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल आए।इंदिरा भवन जवाहर भवन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पांडे ने कहा, जवाहर भवन की चौथी मंजिल पर बने कैफेटेरिया में आग लग गई है और फायर ब्रिगेड के कर्मचारी इसे बुझाने की पूरी कोशिश की। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग चौथी मंजिल के कैफेटेरिया से शुरू हुई। लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों ने पहले आग बुझाने वाले सिस्टम का इस्तेमाल करने की कोशिश की, लेकिन आग तेजी से बेकाबू हो रही थी।इसके बाद तीन–चार दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अच्छी बात यह है कि सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल आए हैं।

बारिश में होकर मगन

(कुण्डलिया)

कोयल सुग्गा सारिका, पपिहा दादुर मोर।
बारिश में होकर मगन, बोल रहे चहुँ ओर।
बोल रहे चहुँ ओर,घटा श्यामल नभ छायी।
लोकगीत के बोल,बनी कजरी तब आयी।
गाते जिसे प्रदीप,भाव हैं जिसके निर्मल।
झूलों पर ही बैठ,प्रेम रस पीती कोयल।

चंचलता करुणा जिरह, अमर्ष प्रेम– अयान।
कजरी की गाथा कहें, बन उसकी पहचान।
बन उसकी पहचान,गा रहीं कोठे वाली।
नभ से बरसे नीर, घटायें काली–काली।
सुन लो कहें प्रदीप,देख मन की व्याकुलता।
प्रिय को देख करीब, नयन अरु हिय चंचलता।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

जौहर यूनिवर्सिटी भवन को ध्वस्त करने से बाज आये राज्य सरकार–भाकपा

लखनऊ (संवाददाता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने आरोप लगाया है कि आरएसएस नियंत्रित डबल इंजन वाली भाजपा सरकारें अपने निहित चुनावी हितों को पूरा करने के लिये आम लोगों को शिक्षा से वंचित करने के षड्यंत्रों में लगी हैं। इन सरकारों ने हजारों विद्यालयों को बंद कर दिया, शिक्षा को निजी क्षेत्र के हाथों सौंप उसे आम और गरीब छात्रो के लिये असंभव बना दिया, पेपरलीक जैसे दूषित माध्यमों के जरिये मेधावी छात्रों को किनारे लगा संघ समर्थित बौडमों को मौका देने का षड्यंत्र रचा है और अब रामपुर के जौहर विश्वविद्यालय पर बुलडोजर चलाने की तैयारी है। जौहर विश्वविद्यालय पर बुलडोजर चला कर 3 हजार से अधिक छात्रों का भविष्यअन्धकारमय बनाने का प्रयास है, वहीं जनाधार गँवा चुकी मोदी–योगी डबल इंजन सरकार इस कारगुजारी के जरिये आगामी विधान सभा चुनावों से पहले ध्रुवीकरण कराने की साजिश रच रही है।भाकपा सरकार के इस प्रयास की कड़े शब्दों में निंदा करती है। उत्तर प्रदेश का छात्र–युवा और आम आदमी बर्दाश्त करने को तैयार नहीं है। भाकपा के राष्ट्रीय सचिव डा.गिरीश ने कहा कि भाजपा सरकार अपने संकीर्ण राजनेतिक स्वार्थों के लिये कानूनी पेचीदगियां निकाल कर उन भवनों को भी ध्वस्त करती रही है जिनका जनहित में उपयोग हो सकता है, अथवा हो रहा है।

जौहर यूनिवर्सिटी कार्रवाई के विरोध में सपा यूथ ब्रिगेड का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। जौहर यूनिवर्सिटी को गिराने के आदेश के विरोध में समाजवादी पार्टी (सपा) यूथ ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को लखनऊ में विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने विधानसभा के बाहर पहुंचकर कार्रवाई के खिलाफ नारेबाजी की और अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस पहले से तैनात रही। जैसे ही प्रदर्शनकारी विधानसभा के बाहर पहुंचे, पुलिस ने उन्हें रोकने की कार्रवाई की और कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ताओं ने जौहर यूनिवर्सिटी के खिलाफ की जा रही कार्रवाई का विरोध करते हुए इसे वापस लेने की मांग उठाई। इस दौरान विधानसभा के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही।

मांगों को लेकर पंचायत सहायकों का प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। वेतन वृद्धि व अन्य मांगों को लेकर पंचायत साहयकों का प्रदेश स्तरीय धरना प्रदर्शन इको गार्डन में चल रहा है। यहां पूरे प्रदेश से लगभग 5000 पंचायत सहायक मौजूद हैं। प्रदर्शनकारी जोरदार नारेबाजी कर रहे हैं। अभी भी पंचायत सहायकों का आना जारी है यह संख्या बड़ी भी हो सकती है। पंचायत सहायक संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद चाँद पंचायत सहायक संगठन उत्तर प्रदेश व शिवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा की पूरे प्रदेश से पंचायत सहायको को सोमवार को इको गार्डन पहुंचने का आह्वान किया गया था, जिसके तहत यहां सभी उपस्थित हो रहे हैं। बताया कि उनकी कुल 5 मांग है जिसको लेकर वह प्रदर्शन कर रहे हैं। अनुबंध प्रक्रिया समाप्त करें और हमें ग–श्रेणी के राज्य कर्मचारी के रूप में स्थाई किया जाए और वेतन वृद्धि की जाय। पंचायतीराज विभाग में 50: प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। नगर पंचायत में समायोजन, पंचायतों में पद के समकक्ष पंचायत सहायक को कार्य दिया जाए एवं पंचायत सहायक की इच्छा अनुसार स्थानांतरण किया जाए।

छात्रों पर लाठीचार्ज पर भड़के अखिलेश यादव, कहा– यह सरकार नहीं, अहंकार है

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को नीट–यूजी पेपर लीक विवाद और छात्रों के विरोध–प्रदर्शन पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने प्रशासन पर जन–कल्याण के बजाय अहंकार से प्रेरित होकर काम करने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने छात्रों को हिरासत में लेने और उनके साथ कथित दुर्व्यवहार की निंदा की। उन्होंने कहा कि वे प्रदर्शनकारियों को पुलिस स्टेशनों में रख रहे हैं और बाहर छात्रों की पिटाई कर रहे हैं। यह कैसी सरकार है जो शसबका साथ, सबका विकासश की बात तो करती है, लेकिन बच्चों की बात सुनना नहीं चाहती? क्या यह सरकार है या आपका अहंकार?

उत्तर मध्य रेलवे
ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 25/2026 दिनांक 17.07.2026
ई-प्रापण निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि0 मंडल सामग्री प्रबंधक, उ0म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या : 19256354A	मात्रा : 124 सेट	ई.एम.डी. रू. : 7,73,760/-
विवरण : बिजली से चलने वाला विंडस्क्रीन वाइपर		
निविदा खुलने की तिथि : 11/08/2026		

नोट : 1. उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। 4. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंशियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। • उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है।
1660/26 (AS)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

लद्दाख में मोदी के नए रणनीतिक कदम!

लद्दाख एक ऐसा क्षेत्र है जहां देशभक्ति कूट–कूट कर भरी है और यहां का हर नागरिक बिना वर्दी के एक सैनिक की तरह काम करता है। सिंधु नदी लद्दाख की जीवन रेखा है, जो हमारे क्षेत्र में 500 किलोमीटर से भी ज्यादा दूरी तक बहती है। हमने 1998 में भारत की पहली सिंधु यात्रा (सिंधु अभियान) का आयोजन किया था। पहला सिंधु दर्शन अक्तूबर 1997 में हुआ था। सिंधु नदी ने ही हमारे देश, लोगों, संस्कृति और सभ्यता को इंडिया, हिंदू और हिंदुस्तान जैसे नाम दिए। दुनिया की किसी भी दूसरी नदी को ऐसा गौरव हासिल नहीं है। यही बात लद्दाख को सिंधु सभ्यता का पालना (केंद्र) बनाती है, जिसे बहुत कम लोग समझ पाते हैं। लगभग तीन लाख की बिखरी हुई आबादी वाला लद्दाख करीब 59,146 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, जिसकी सीमाएं चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से लगती हैं। आज, चीन ने अक्साई चिन क्षेत्र में भारत की लगभग 38,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है, जिसे उसने 1962 के युद्ध में छीना था। इस कदम से अफगानिस्तान सीमा तक भारत का सीधा जमीनी रास्ता पूरी तरह बंद हो गया। इसके अलावा, पाकिस्तान ने जम्मू–कश्मीर और लद्दाख में भारत की लगभग 78,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर अवैध कब्जा किया हुआ है। इसमें से पाकिस्तान ने 1963 के सीमा समझौते के तहत शक्सगाम घाटी का 5,180 वर्ग किलोमीटर हिस्सा अवैध रूप से चीन को सौंप दिया। यह सब पंडित नेहरू के मायावी हिंदी चीनी भाई–भाई काल में हुआ था। 22 फरवरी 1994 को भारत की संसद के दोनों सदनों ने सर्वसम्मति से एक ऐतिहासिक प्रस्ताव पास किया था, जिसमें तीन मुख्य बातें कही गई थीं, पूरा जम्मू–कश्मीर राज्य (जिसमें लद्दाख, पी.ओ.के., अक्साई चिन और शक्सगाम शामिल हैं) भारत का एक अभिन्न और अटूट हिस्सा है। पाकिस्तान अपने अवैध और जबरदस्ती कब्जे वाले सभी इलाकों को तुरंत खाली करे। भारत इन क्षेत्रों को देश से अलग करने की किसी भी कोशिश को पूरी तरह खारिज करता है। यह प्रस्ताव पूरे देश के लिए लद्दाख के भारी रणनीतिक महत्व को दर्शाता हैय यहां जो कुछ भी होता है, उसका असर हम सब पर पड़ता है। इसीलिए, लद्दाख हमेशा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एजैंडे में सबसे ऊपर रहता है। जब उन्होंने अपने विश्वस्त विनय कुमार सक्सेना को लेह का उपराज्यपाल बनाकर भेजा, तो इसमें कोई हैरानी नहीं थी। अपनी त्वरित और निर्णायक कार्यशैली के लिए प्रसिद्ध सक्सेना ने तुरंत कई कड़े और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कदम उठाए, जो इस क्षेत्र को हमेशा के लिए बेहतर बना देंगे। सबसे बड़ा फैसला सभी सात जिलों के लिए स्वायत्त पर्वतीय परिषदों का गठन करना है। लद्दाख के मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा ने 13 जुलाई 2026 को लेह में एक प्रैस कांफ्रैंस में घोषणा की कि केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन सभी सात जिलों में स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद का गठन करेगा। परिषदें अपने विकास की योजनाएं खुद तैयार करेंगी, जिससे हर जिले को लेह या कारगिल से निर्देश मिलने की बजाय अपनी प्राथमिकताओं को खुद तय करने की आजादी मिलेगी। परिषदें जिला स्तर पर स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, स्थानीय बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण योजनाओं की सीधी जिम्मेदारी संभालेंगी। धारा 371 के एक विशेष ढांचे के तहत इन सातों परिषदों के ऊपर एक सर्वोच्च संस्था बनाने का प्रस्ताव है। विधायी, कार्यकारी, वित्तीय और प्रशासनिक शक्तियों से लैस इस मॉडल की भारत में कोई दूसरी मिसाल नहीं है। इसे देश की अन्य क्षेत्रीय और जनजातीय व्यवस्थाओं की सबसे अच्छी खूबियों को मिलाकर बनाया जाएगा।

सतलुज' की खामोशियां: इस फिल्म के जवाब में हैं कई और पहलू

'सतलुज' फिल्म में कुछ ऐसे पल हैं जब पंजाब पुलिस के अनैतिक तौर–तरीके आपका दिल दहला देते हैं। 1988 में, पंजाब की रिपोर्टिंग करते समय, मैंने खालिस्तान के लिए लडने वाले आतंकवादियों द्वारा आम लोगों पर बरपाई गई भयानक क्रूरता को देखा था। तब भी मेरा दिल दहल गया था। कहानी का यह हिस्सा फिल्म से पूरी तरह गायब है। 'सतलुज' उन लोगों की कहानी बयां करती है जिनकी न्याय की तलाश हर मोड़ पर नाकाम कर दी गई। यह हमें जसवंत सिंह खालड़ा द्वारा पुलिस से हजारों गायब हुए लोगों का हिसाब मांगने के सफर पर ले जाती है। लेकिन जैसा कि लगभग सभी कहानियों में होता है, इसके भी कई पहलू हैं। 'सतलुज' आतंकवादियों द्वारा फैलाई गई हिंसा और खौफ को पूरी तरह से खारिज (नजरअंदाज) कर देती है। यह अक्तूबर 1988 की बात है, जब मैं एक वीडियोकृ'द चिल्ड्रन ऑफ पंजाब' (पंजाब के बच्चे) का संपादन कर रही थीकृचारों तरफ दुख का माहौल गहरा था। एक आठ साल के लड़के ने कहा, 'पंजाब कभी एक खूबसूरत जगह हुआ करता था। अब हम इस डर में जीते हैं कि किसी भी पल आतंकवादी हमारे घर आ जाएंगे।' फिर वह रो पड़ा और पंजाबी में बोला, 'आंटी जी, तुहानु अंदाजा नहीं है कि असीं किना दुख झलिया है।' आतंकवादियों ने उसके 18 साल के बड़े भाई को गोलियों से भून दिया था। छोटा भाई उसे बहुत याद करता था। एक बच्चा जो बस में हुए बम धमाके में अंधा हो गया था। इंटरव्यू के समय, उसे यह नहीं पता था कि जब उसकी आंखों से पट्टियां हटाई जाएंगी, तो वह अंधा हो चुका होगा। उसके बिस्तर के पास बैठी उसकी मां सदमे से गूंगी हो गई थी। आठ साल के दो पड़ोसी बच्चे जो हर दिन एक ही जगह साथ खेलते थे, उसी जगह पर हुए बम धमाके में मारे गए। एक हिंदू था, दूसरा सिख। दोनों परिवार गम में एक–दूसरे में सिमट गए थे। 1984 में इंदिरा गांधी की उनके सिख अंगरक्षकों द्वारा हत्या किए जाने और उसके बाद दिल्ली में सिखों के भयानक नरसंहार के बाद, पंजाब में गुस्सा भड़क उठा। हजारों लोग आतंकवादियों के साथ जुड़ गए, जो एक स्वतंत्र खालिस्तान बनाने में विश्वास रखते थे। राजीव गांधी ने, असम में अपने कार्यकाल से के.पी. एस. गिल की साख को अच्छी तरह से जानते हुए, उन्हें पंजाब में हिंसा को दबाने के लिए नियुक्त किया। जैसा कि फिल्म में दिखाया गया है, गिल और उनके लोग बेरहम थे। लापता युवाओं के बारे में बाद में इंटरव्यू में, गिल को कोई पछतावा नहीं था। उनकी नजरों में, वह युद्ध में एक सैनिक थे और युद्ध में दुश्मन का खात्मा होना ही चाहिए। लेकिन युद्ध में, वर्दी आपके दुश्मन की पहचान कराती है। गिल ने वह किया जिसे अब बिना किसी जवाबदेही के 'प्रोफाइल टारगेटिंग' कहा जाता है। युवाओं को बसों, ट्रेनों, मोटरसाइकिलों से उतार दिया जाता था और वे ऐसे ले जाए जाते थे कि फिर कभी दिखाई नहीं देते थे। खालिस्तान के लड़ाकों की बर्बरता इससे भी बदतर थी और इसके आंकड़े चौंकाने वाले हैं। हिंदुओं को अलग कर दिया गया और महिलाओं व बच्चों सहित बेरहमी से गोली मार दी गई। खालिस्तान के लड़ाकों ने नागरिकों और अधिकारियों पर भीषण हमले किए, जिसमें 21,000 से अधिक लोग मारे गए। जुलाई 1987 में लालडू में 38 हिंदुओं को बस से उतारकर मार डाला गया। अगले दिन फतेहाबाद में 34 हिंदू यात्रियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जून 1991 में लुधियाना के पास एक ट्रेन में 76 हिंदुओं का नरसंहार किया गया। दिसंबर 1991 में एक और ट्रेन हमले में 52 और हिंदू मारे गए। जून 1991 में यू.पी. और बिहार से ट्रेनों में आ रहे 126 प्रवासियों को मौत के घाट उतार दिया गया। पंजाब के मुख्यमंत्री बेअंत सिंह, जनरल अरुण वैद्य और लाला जगत नारायण सभी की हत्या कर दी गई। दर्जनों निचली अदालत के जजों, मजिस्ट्रेटों और पंजाब पुलिस के कर्मियों के परिवारों को निशाना बनाया गया और मार डाला गया। पुलिस और सरकार को जवाबदेह होना ही होगा। 'सतलुज' यही मांग करती है। लेकिन वही मापदंड उन आतंकवादियों पर क्यों नहीं लागू किए जाते जिन्होंने ऐसे जघन्य कृत्य किए? यह फिल्म भारत में प्रतिबंधित है। यह उल्टा असर डालने वाला है, क्योंकि लोग इसे देखने का कोई न कोई तरीका ढूंढ ही लेते हैं, जैसा कि मैंने ढूंढा। 'सतलुज' एक ऐसी कहानी कहती है जिसे बताया जाना जरूरी था। लेकिन यह पूरी कहानी नहीं है। यह चिंताजनक है कि पंजाब के युवा, जो कुछ दिखाया गया है, उससे भड़क सकते हैं। अगर पंजाब का इतिहास हमें कुछ सिखाता है, तो वह यह है कि जब हम कहानी का केवल आधा हिस्सा ही बताते हैं, तो अगली पीढ़ी इसे पूरा सच मान बैठती है। मैंने उस इतिहास के एक हिस्से की रिपोर्टिंग की थी। यह फिल्म दूसरा हिस्सा बताती है। पंजाब इन दोनों को याद रखने का हकदार है।

पर्याप्त शिक्षकों के अभाव में पढ़ाई कैसे हो!

सामाजिक साक्षरता के उद्देश्य से देश भर में सरकारी विद्यालयों की स्थापना की गई है। सस्ती दरों पर उपलब्ध शिक्षा भले ही पहली नकार में सामान्य वर्ग को अपनी ओर आकर्षित करे किंतु मूलभूत खामियों से दो चार होते ही व्यवस्था से मोहभंग होते देर नहीं लगती। ज्वलंत उदाहरण है इसी समाचार पत्र में प्रकाशित एक +खबर, जिसके मुताबि+क, छत्तीसगढ़ के महास मुंद किले के सरायपाली विकास खंड स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जम्हारी में पर्याप्त शिक्षकों की कमी विरोध–प्रदर्शन का सबब बन गई। रोष प्रकटाते छात्रों के कथनानुसार, करीब 150 छात्र–छात्राओं के अध ययनरत होने पर भी स्कूल में केवल तीन शिक्षक हैं। माहिर शिक्षकों के अभाव में वर्ष 2019–20 के दौरान विज्ञान संकाय का संचालन बंद हो गया। आजकल एकमात्र संचालित कला संकाय में भी कई प्रमुख विषयों के अध्यापक नहीं हैं। गणित, संस्कृत तथा राजनीतिशास्त्र जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों के अध्यापक न होने से पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसमें कोई दोराय नहीं, भारत की स्कूली शिक्षा व्यवस्था वर्तमान में एक बड़े बदलाव से गुकार रही है। विगत वर्षों में विद्यालयों की संख्या बढने के साथ डिजिटल सुधारों ने भी गति पकड़ी। शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी 'यूनिफाइड इन्फर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस' की रिपोर्ट के मुताबि+क, देश में कुल शिक्षकों की संख्या 1.02 करोड़ पार करना बेशक सराहनीय है, लेकिन सरकारी स्कूलों में लगभग 9.83 लाख स्वीकृत पद रिक्त होने संबंधी जानकारी भी नकारी नहीं जा सकती। आर. टी.ई. अधिनियम के विपरीत देश में एक लाख से अधिक स्कूल केवल एक शिक्षक के भरोसे हैं। विशेषकर, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों का समान वितरण एक बड़ी समस्या है। नई शिक्षा नीति की सिफारिशों के मुताबिक हर 30 विद्यार्थियों के लिए 1 शिक्षक होना चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर छात्र–शिक्षक का औसत अनुपात 21रू1 भले ही ठीक हो, लेकिन झारखंड जैसे कई रा'यों में हालात गंभीर हैं। यहां उच्च माध्यमिक स्तर का छात्र–शिक्षक अनुपात 47रू1 तक पहुंच जाता है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, हर 31 विद्यार्थी के लिए 1 शिक्षक उपलब्ध होने से पंजाब की स्थिति बेहतर आंक सकते हैं, हालांकि गत वर्ष के मुकाबले दाखिले में गिरावट आना भी कटु सत्य है। शिक्षा मंत्रालय की यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इनफार्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, रॉय के 1759 स्कूलों में एक ही शिक्षक तैनात है। 19 विद्यालयों में कोई दाखिला नहीं हुआ। कुल मिलाकर, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, योग्य शिक्षकों का अभाव, बुनियादी ढांचे संबंधी समस्याएं आदि प्रमुखता से बनी हुई हैं। देश में 18,000 से अधिक शिक्षक शिक्षा संस्थान होने के बावजूद 10 से 12 लाख शिक्षकों के पास अनिवार्य विशिष्ट शिक्षण योग्यता नहीं। सेवा–पूर्व तथा सेवा–कालीन प्रशिक्षणों के स्तर में भारी अंतर है। शिक्षकों के लिए सालाना आयोजित कार्यशाला आधारित प्रशिक्षण में निरंतरता एवं पर्याप्त गुणवत्ता का अभाव देखा गया। दरअसल, लाखों शिक्षक रिटायर होने पर भी नई भर्तियां नियमित रूप से नहीं हो पातीं। कई शिक्षक दूर–दराका के गांवों में नियुक्ति नहीं लेना चाहते। जनगणना, चुनाव जैसे गैर–शैक्षणिक कार्यों में लगाया जाना भी शिक्षकों की अनुपलब्धता बढ़ा देता है। अतिरिक्त कार्यभार होने से थकान में इकाफा होता है, मनोबल गिरता है। परिणामस्वरूप रटंत विद्या पर निर्भरता बढने से छात्रों की रचनात्मकता तथा आलोचनात्मक सोच प्रभावित हो सकती है। यह अभाव मात्र एक संख्या न होकर समूची शिक्षा व्यवस्था कमकोर करने वाला संकट है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में सामाजिक, भावनात्मक तथा शारीरिक विकास के साथ–साथ शैक्षणिक उपलब्धि भी शामिल होती है। शिक्षकों की कमी से सीखने के परिणामों, समानता तथा समग्र छात्र विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं। ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर एजुकेशन (जीपीआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, पर्याप्त शिक्षक सहयोग के बिना छात्रों से अन्य गतिविधियों में भाग लेने की अपेक्षा घटती है, वास्तव में जो उनके सर्वांगीण विकास में काफी हद तक सहायी बन सकती थीं। शिक्षकों की कमी छात्रों के 'ड्रॉप आऊट' में अहम कारण है। अनेकों शैक्षणिक सत्र समयानुसार पूरे नहीं हो पाते। हाशिए पर रहने वाले समुदायों, खासकर ग्रामीण तथा आर्थिक रूप से वंचित छात्रों की योग्य शिक्षकों तक पहुंच सीमित होने के कारण जहां शैक्षिक असमानताओं में वृद्धि होती है, वहीं शिक्षा तंत्र पर वित्तीय दवाब भी बढ़ता है। नीति आयोग की ताकाा रिपोर्ट के तहत, सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था एक गहरे भरोसे के संकट से गुकार रही है। यह एक गंभीर मुद्दा है, जिसे बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाकर ही निपटाया जा सकता है। आवश्यक है, समस्या की प्रकृति समझकर सरकार मकाबूत एवं प्रभावी रणनीतियां लागू करे, जिसमें महत्वाकांक्षी शिक्षकों के लिए छात्रवृत्ति, प्रोत्साहन, शैक्षणिक कौशल तथा विषय ज्ञान पर बल देने वाले व्यापक कार्यक्रम बराबर शामिल हों। शिक्षकों की भर्ती, प्रशिक्षण तथा सहायता में अपेक्षित निवेश करके ही भारत एक अधिक प्रभावी तथा समावेशी शिक्षा प्रणाली बना सकता है। देश के भविष्य को चुनौतियों हेतु तैयार करने के लिए स्कूल के बुनियादी ढांचे में सुधार लाना होगा, सभी शिक्षा निकायों को आधुनिक संसाधन व पर्याप्त शिक्षक मुहैया करवाने होंगे। विशेषज्ञों की रायनुसार, समस्या केवल भर्ती से नहीं सुलझ सकतीय ग्रामीण व पिछड़े इलाकों में तैनाती, प्रशिक्षण तथा संशोधन भी कारूरी है। एनईपी के अनुसार, शिक्षक केवल पढ़ाने वाले नहीं बल्कि सीखने की प्रेरणा देने वाले भी होने चाहिएं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21–ए के तहत 'शिक्षा का अधिकार' प्रत्येक बच्चे का मौलिक ह+क है, जो उसे मिलना ही चाहिए। काबिल गुरुजनों की बाट जोहते विद्यार्थियों को धरना देना पड़े, हालात से समझौता करना पड़े अथवा विविशतावश निजी स्कूल अपनाने पड़ें, समूचे तौर पर यह सरकारी शिक्षा–तंत्र की ही विफलता है

लोकपर्व और स्त्रीः सांस्कृतिक चेतना के विविध आयाम

अंजलि श्रीवास्तव
प्रयागराज

भारतवर्ष की लोक संस्कृति विविध लोकपर्वों और उत्सवों से समृद्ध है। यह लोकपर्व केवल उल्लास के अवसर नहीं, बल्कि लोकजीवन प्रकृति कृषि आस्था और सांस्कृतिक मूल्य के जीवंत प्रतीक है।

ष्सर्वे भवन्तु सुखिनरूष्(सभी सुखी हो) यह लोकमंगल की भारतीय भावना का प्रतीक है।लोकपर्व की भी अपनी लोक मान्यता होती है।इसमें कोई कठोर नियम नहीं होते , बल्कि हर लोकपर्व के पीछे गहरा अर्थ छुपा होता है ।

लोकपर्व मूल अवधारणा शास्त्रों या किसी एक व्यक्ति के आदेश से नहीं बल्कि आम जनमानस लोक के सामूहिक अनुभवों से जन्मी है।

लोकपर्व का स्वरूप बहुत ही सहज सरल और सादगी से भरा होता है।

जब फसल कटती है तो इसका स्वरूप उत्सवी हो जाता है। इसके स्वरूप में मंदिर से ज्यादा महत्व नदी के घाटों, पेड़ों, खेतों और सूरज ,चंद्रमा को दिया। यह मनुष्य का प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का स्वरूप है।

इसका स्वरूप श्रुति और स्मृति पर आधारित है। यह केवल देखकर और सीख कर आगे बढ़ता है। इसलिए यह अत्यंत लचीला और समय के साथ बदलने वाला है।

भारतीय लोकपर्व मनुष्य के साथ गहरे संबंध को अभिव्यक्त करते हैं। ऋतुओं के परिवर्तन कृषि चक्र वर्षा और धरती के प्रति कृतज्ञता की भावना लोकपर्व में स्पष्ट दिखाई देता है। उत्तर प्रदेश में सावन हरियाली तीज तथा कजरी की परंपरा, वर्षा ऋतु के आगमन का स्वागत करती है। इन पर्वों के माध्यम से प्रकृति के संरक्षण और उसके प्रति सम्मान का संदेश भी मिलता है।

प्रत्येक क्षेत्र के लोकपर्व उसकी सांस्कृतिक पहिचान का परिचय देते हैं।

उत्तर प्रदेश के अलग–अलग अंचलों में लोकपर्वो को मनाने की अपनी विशिष्ट परंपरा है। मिर्जापुर और पुर्वांचल की कजरी केवल एक लोकगीत नहीं बल्कि उस क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान और लोकजीवन के संवेदनाओं की अभिव्यक्ति है।

लोकपर्व समाज को एक सूत्र में बांधते हैं इन अवसरों पर लोग जाति वर्ग और आर्थिक भेद से उपर उठकर लोग एक साथ उत्सव मनाते हैं । सावन में महिलाओं का समूह बनाकर कजरी गाना झूला झूलना और तीज के अवसर पर सामूहिक सहभागिता सामाजिक सौहार्द और लोक चेतना को सुदृढ़ करती है।

लोकपर्व सांस्कृतिक एवम् सामाजिक महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उदाहरण के लिए –सामाजिक एकता और भाईचारा लोकपर्व किसी भी समाज को जोड़ने वाला अदृश्य वह धागा है ,जो उंच–नीच, अमीर –गरीब और जातिगत सीमाओं को तोड़ देता है।

इन त्योहारों में पूरा समुदाय एक साथ मिलकर जश्न मनाता है, जिससे समाज में प्रेम और एकता की भावना मजबूत होती है।–मानसिक और भावनात्मक संबल पारंपरिक ब्रत और अनुष्ठान मन को शुद्ध करते हैं और भागदौड़ भरी जिंदगी में नई उर्जा और सकारात्मकता का संचार करते हैं, ढोल की थाप लोकगीतों की गूज पारंपरिक खान–पान और अपनों का भौतिक साथ मानव मस्तिष्क में नई सकारात्मक ऊर्जा भर देता है।–संस्कृत और नैतिक मूल्यों का संरक्षण लोकपर्व मौखिक इतिहास और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत है जो नानी –दादी के कहानियों गीतों और घरेलू कलाओं के माध्यम से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्वाभाविक रूप से प्रभावित होते हैं। इनमें बड़ों के प्रति आदर अतिथियों का सत्कार और कठिन व्रतों के माध्यम से आत्म नियंत्रण व सादगी जैसे गहरे नैतिक मूल्य छिपे होते हैं। –प्रकृति पर्यावरण के प्रति सम्मान, लोक पर्व मनुष्य और प्रकृति के बीच उस प्राचीन और पवित्र रिश्ते का नवीनीकरण है जिसे आज इंसान भूलता जा रहा है जब हम नदियों उगते– डूबते, सूरज मिट्टी पेड़ों और पशुओं की पूजा करते हैं तो यह स्वीकार करते हैं कि मानव अस्तित्व प्रकृति का स्वामी नहीं वल्कि उसका ऋणी है।–आर्थिक गतिशीलता।

स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा मिट्टी के दिए पारंपरिक वस्त्र हस्तशिल्प और स्थानीय पकवानों की मांग बढ़ती है। छोटे–छोटे कारीगरों किसानों और कुटीर उद्योगों को सीधे आर्थिक लाभ मिलता है। जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार पैदा होता है।

स्त्री केवल लोकपर्वों की प्रतिभागी नहीं बल्कि वह पूरे उत्सव की रीढ़ होती है। घर परिवार को जोड़ने और एक सूत्र में बांधने का काम स्त्री करती है जिससे उन्हें मानसिक संबल और सुरक्षा मिलती है –परंपराओं की संरक्षण,

बिना किसी औपचारिक शिक्षा के वे अपने आचरण और कुशल प्रबंधन से त्योहार की मर्यादा और गरिमा को बनाए रखती है। –पीढ़ी का पुल,

जब एक मां अपनी बेटी के व्रत कथा सुनाती या त्योहार की विशेष कला सिखाती है वास्तव में संस्कृत का हस्तांतरण कर रही होती है ।

लोकगीत जैसे सोहर, कजरी, छठ के गीत केवल संगीत नहीं दुख –सुख एकाकीपन ,लोक मर्यादा में रहकर सामाजिक बंधनों पर तीखापन करती है। लोकगीत स्त्रियों का अपना स्वतंत्रता संसार है। –संस्कार , लोकपर्व के माध्यम से स्त्रियां बच्चों को कहानियां सुनाती और अनुष्ठान करती वे बच्चों के अवचेतन मन में गहरी बैठ जाते हैं बड़ों का आदर प्रकृति से प्रेम जानवरों के प्रति दया यह सारे संस्कार स्त्रियां पर्वों के माध्यम से बहुत ही सहजता से बच्चों के भीतर उतार देती हैं।

लोकपर्वों में स्त्री की सांस्कृतिक चेतना केवल घर परिवार तक सीमित नहीं रहती, बल्कि संस्कारों, लोकगीतों, लोक कला, लोकआस्था और प्रकृति के साथ उसके जीवंत संबंध को अभिव्यक्त करती है । उत्तर प्रदेश में सावन और हरियाली तीज स्त्री के प्रकृति– प्रेम और सामूहिक उल्लास का प्रतीक है ।इन लोकपर्वों के माध्यम से स्त्री भारतीय लोक–संस्कृति को जीवंत बनाए रखती है।–सावन में जैसे सूखी धरती वारिस की बूंदों से हरी हो जाती , वैसे स्त्री का मन इस मौसम में उल्लासित होता है।

सावन में स्त्रियों का मेहंदी लगाना हरे वस्त्र और चूड़ियां पहनना केवल श्रृंगार नहीं है यह प्रकृति के साथ खुद को एकाकार करने की सांस्कृतिक चेतना है।

–कजरी केवल एक गीत नहीं वल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के स्त्रियों के सुख–दुख तेरा और आकांक्षाओं का जीवंत दस्तावेज है।

बरसन लागे बदरिया रूमझूम के... जैसी कजरियों में स्त्री अपने मायके की याद पिया के मिलन की आस और प्रकृति के सौंदर्य को स्वर देती है।

प्रतिरोध और स्वतंत्रता का स्वर

कजरी और गीतों के माध्यम स्त्रियां अक्सर समाज के कड़े में नियमों जेठानी के तानों या सामाजिक बंधनों पर मीठा कटाक्ष करती हैं । –हरियाली तीज मायका और ससुराल का सेतु, स्वतंत्र और आनंद का पर्व है इन दिनों झूला झूलना सखियों के साथ इकट्ठा होना और लोकगीत गाना उनके मानसिक तनाव को दूर करता है यह त्योहार विवाहित स्त्रियों को उनके बचपन की यादों से जोड़ता है।

सशक्तिकरण का प्रतीक तीज के व्रत में जहां एक ओर पति के दीर्घायु की कामना है वहीं दूसरी और सखियों के साथ खुलकर गाने का उल्लास है स्त्री कठीन व्रतों के बीच भी जीवन के आनंद को खोजना जानती है।

–नागपंचमी जीव जंतु से सह अस्तित्व का पर्व स्त्री की उस चेतन को दर्शाता है जो केवल मनुष्यों से नहीं बल्कि प्रकृति के खतरनाक जीवों से भी संवाद और समन्वय बैठना सिखाती है।

पर्यावरण संरक्षण स्त्रियां जानती है कि

पारिस्थितिकीय तंत्र के लिए हर जीव जरूरी है। लोक चेतना में पर्यावरण संरक्षण सदियों पहले से शामिल हैं।

निष्कर्ष रूप में हम कह सकते हैं कि लोकपर्व में स्त्री की सांस्कृतिक चेतना कोई रूढ़िवादी परंपरा नहीं बल्कि अपने प्रकृति संगीत कला और सामूहिकता का एक सुंदर उत्सव है। कजरी की तान, तीज का झूला और नाग पंचमी की पूजा के जरिए स्त्रियां समाज को यह संदेश देती है कि जीवन का असली सौंदर्य प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर जीने में है। स्त्री ही इन लोकपर्वों की आत्मा है, जिसके बिना संस्कृति अधूरी है।

अमर कहानी

पैदा होकर मर जाते हैं, जाने कितने लोग यहाँ ;
लेकिन नया करोगे कुछ तो, तेरी अमर कहानी होगी ।

दुनिया वाले कुछ बोलेंगे, जैसी उनकी आदत है;
लेकिन जब मंजिल पा लोगे, दुनिया पानी–पानी होगी।

रास्ते में कांटे बिछेंगे, लोग पत्थर फेंकेंगे,
कहेंगे 'छोड़ दो, ये काम तुम्हारे बस का नहीं'।
सपनों का मज़ाक उड़ाएंगे, मेहनत को पागलपन कहेंगे,
पर तू चलता जा साथी, रुकना तेरी आदत नहीं।

नदियाँ सूखी हों या धाम उजड़े हों,
हिम्मत से सींच दे तू बंजर ज़मीं को।
एक दिन वही लोग जो हँसते थे कल,
तेरे नाम का जयकारा लगाएंगे उसी ज़मीं को।

इतिहास गवाह है, जो डरकर जीते मिट गए,
नाम लेवा भी कोई न रहा उनका।
पर जिसने आग से खेलकर दीप जलाया,
समय ने खुद झुककर लिखा किस्सा उनका।

इसलिए उठ, कुछ ऐसा कर जा साथी,
कि कफ़न पर भी लोग फक्र से कहें –
ये वही था जिसने मंजिल बदल दी,
और मरकर भी अमर हो गई उसकी कहानी।

– समाज शेखर–
सामाजिक सत्याग्रह भयहरण नाथ धाम

सीजेपी के मार्च में शामिल हुईं 75 साल की शबाना आजमी, बॉलीवुड की गैरमौजूदगी पर दिया करारा बयान

जंतर–मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे प्रदर्शनकारियों के समर्थन में पहुंचने के एक दिन बाद, 20 जुलाई को शबाना आजमी ने सीजेपी की 'चलो संसद' मार्च में शामिल होकर अपनी आवाज उठाई। मार्च के दौरान शबाना आजमी ने च्ज्प् से बात करते हुए कहा, 'हम सभी यहां शांतिपूर्ण विरोध के लिए आए हैं। यह हमारा हक है, जो हमें हमारे संविधान ने दिया है। महात्मा गांधी ने हमें सिखाया है कि शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कैसे किया जाता है, और हम उसी रास्ते पर चल रहे हैं। हमारा किसी भी तरह की हिंसा करने का कोई इरादा नहीं है।' मार्च के दौरान अन्य प्रदर्शनकारी भी उनके साथ नजर आए और 75 साल की शबाना का सहारा देते हुए उनके साथ चलते दिखे। जब उनसे पूछा गया कि इस मार्च में दूसरे बॉलीवुड सितारे क्यों नहीं नजर आ रहे, तो शबाना ने सख्त जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'आप सिर्फ इस बात पर ध्यान दे रहे हैं कि बॉलीवुड के लोग यहां क्यों नहीं हैं। आप ये क्यों नहीं पूछते कि बड़े उद्योगपति और बिजनेसमैन क्यों नहीं हैं? ऐसे सवाल पूछकर आप असली मुद्दे से ध्यान हटा रहे हैं और बेवजह विवाद खड़ा कर रहे हैं। आपको उन लोगों का साथ देना चाहिए जो इस मुद्दे के लिए मार्च कर रहे हैं, न कि इसे कमजोर करना चाहिए।' सीजेपे 6 जून से जंतर–मंतर पर प्रदर्शन कर रही है और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है। क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी इस आंदोलन में शामिल हुए और उन्होंने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की थी। 22 दिनों तक शांतिपूर्ण भूख हड़ताल के बाद, सोनम वांगचुक को जबरन दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में शिफ्ट किया गया। इसके बाद ब्श्रच ने 'चलो संसद' मार्च का ऐलान किया। जहां कई सेलेब्रिटीज इस मुद्दे पर चुप हैं, वहीं कुछ सितारे सोशल मीडिया पर प्रदर्शनकारियों के समर्थन में सामने आए हैं। इनमें सोनाक्षी सिन्हा, दिया मिर्जा, शबाना आजमी और जीनत अमान शामिल हैं। वहीं एक्टर प्रकाश राज भी जंतर–मंतर पर प्रदर्शनकारियों के समर्थन में नजर आए।

> “
> ऐसे सवाल पूछकर आप असली मुद्दे से ध्यान हटा रहे हैं और बेवजह विवाद खड़ा कर रहे हैं। आपको उन लोगों का साथ देना चाहिए जो इस मुद्दे के लिए मार्च कर रहे हैं, न कि इसे कमजोर करना चाहिए।'

दिल्ली में एक मंच पर दिखी रामायण की पूरी टीम

भारतीय सिनेमा की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'रामायण' को लेकर दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। फिल्म के भव्य में आयोजित 'प्रथम संकल्प' कार्यक्रम में फिल्म की पूरी टीम पहली बार एक साथ नजर आई। इस खास मौके पर निर्माता नमित मल्होत्रा, निर्देशक नितेश तिवारी, अभिनेता रणबीर कपूर, अभिनेत्री साई पल्लवी, अरुण गोविल, कुमार विश्वास और कुणाल कपूर ने एक साथ मंच साझा किया और यादगार ग्रुप फोटो भी खिंचवाई। कार्यक्रम ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया। 'प्रथम संकल्प' में जुटे कई सितारे कार्यक्रम में अभिनेता रवि दुबे, रकुल प्रीत सिंह, दिग्गज अभिनेत्री शोभना और अभिनेता अजिंक्य देव समेत कई अन्य हस्तियां भी मौजूद रहीं। इस आयोजन को 'रामायणम्' की आधिकारिक यात्रा की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान फिल्म के विजन, भारतीय संस्कृति और रामायण की वैश्विक प्रस्तुति को लेकर भी चर्चा हुई। भव्य स्टारकास्ट के साथ बड़े पर्दे पर आएगी रामायण निर्देशक नितेश तिवारी रामायण की कालजयी कथा को आधुनिक तकनीक, शानदार विजुअल इफेक्ट्स और भव्य सिनेमाई अनुभव के साथ दर्शकों तक पहुंचाने की तैयारी में हैं। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान श्रीराम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण, सनी देओल भगवान हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म की स्टारकास्ट और प्रस्तुति को लेकर पहले से ही दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

क्या `लॉकअप 2' में हुई रिबेल किड अपूर्वा मुखीजा की एंट्री ? जानें कौन हुआ शो से बाहर

वीकेंड का एपिसोड 'लॉकअप 2' के प्रतियोगियों की ध ाड़कनें बढ़ाने वाला होता है। इस बार भी ऐसा हुआ। शो से जुड़े वायरल वीडियो में वाइल्ड कार्ड एंट्री को देखकर बाकी प्रतियोगी दंग रह गए। फैंस का अंदाजा है कि यह नई प्रतियोगी इंफ्लुएंसर अपूर्वा मुखीजा हैं। वहीं शो से एक प्रतियोगी का पत्ता भी कट गया है। 'लॉकअप 2' के एक वायरल वीडियो में होस्ट फराह खान नई वाइल्ड कार्ड एंट्री का स्वागत करते हुए कहती हैं, 'सबसे ज्यादा गड़बड करने वाली गैंग लीडर का स्वागत कीजिए।' उस प्रतियोगी का चेहरा तो पूरा नहीं दिखा। मगर शो 'लॉकअप 2' के बाकी प्रतियोगी दंग उसे देखकर दंग थे। वहीं फैंस का सोशल मीडिया पर कहना है कि यह नई एंट्री अपूर्वा मुखीजा की हुई है। वह सोशल मीडिया पर रिबेल किड नाम से मशहूर हैं। वीकेंड के एपिसोड में योगेश रावत शो से बाहर हुए। इसके बाद वह एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश के साथ शो को लेकर बातचीत करते दिखे, अपनी गलतियों का उन्होंने जिक्र किया। तेजस्वी शो से बाहर आने वाले प्रतियोगी से एक खास बातचीत करती हैं। अब शो में राम कपूर, हर्षद चोपड़ा, आकांक्षा चमोला, श्रेया कालरा, शिल्पा शिंदे जैसे कई सेलेब्स बचे हैं। रियलिटी शो लॉक अप 2' को रितेश देशमुख और फराह खान होस्ट कर रहे हैं। इसमें कुछ चर्चित सेलिब्रिटीज को एक जेल के कॉन्सेप्ट वाली जगह पर प्रतियोगी के तौर पर रखा जाता है। वे बाहरी दुनिया से कटे रहते हैं। अपनी सुख–सुविधाओं से दूर उन्हें कई मुश्किल फैसलों से गुजरना पड़ता है।

तलाक के 12 साल बाद जेनिफर विंगेट ने रचाई दूसरी शादी

टीवी की मशहूर अभिनेत्री जेनिफर विंगेट एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। पिछले काफी समय से उनकी शादी को लेकर तरह–तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं लेकिन उन्होंने कभी भी इन अफवाहों पर खुलकर कुछ नहीं कहा। अब इन चर्चाओं के बीच जेनिफर ने सोशल मीडिया पर अपनी वाइट वेडिंग की खूबसूरत तस्वीरें साझा कर फैंस को बड़ा सरप्राइज दिया है। तस्वीरों के साथ उन्होंने अपनी शादी की खबर पर आधिकारिक मुहर लगा दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जेनिफर ने अपने बॉयफ्रेंड विलियम इश्माइल के साथ शादी रचाई है। उनकी वेडिंग फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस उन्हें नई जिंदगी की शुभकामनाए दे रहे हैं। तलाक के 12 साल बाद जेनिफर विंगेट ने की शादी जेनिफर विंगेट ने अपने बॉयफ्रेंड विलियम इश्माइल के साथ क्रिश्चियन परंपरा के अनुसार शादी रचाई है। एक्ट्रेस ने इस खास मौके की मनमोहक तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की, जिनमें उनकी वाइट वेडिंग की खूबूसरत झलक देखने को मिल रही है। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने टेलर स्विफ्ट का लोकप्रिय गाना स्वअम जवतल भी जोड़ा। जेनिफर ने यूके में अपनी विदेशी पार्टनर के साथ सात फेरे नहीं बल्कि क्रिश्चियन वेडिंग सेरेमनी में शादी की। पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि...और आखिरकार हमारे सितारे एक ही हो गए। जेनिफर विंगेट ने पहली बार दिखाया अपनी पति का चेहरा सोशल मीडिया पर जेनिफर ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें जेनिफर ने अपने पति का हाथ थामा हुआ है। एक फोटो में दोनों चर्च की रस्मों में दौरान एक–दूसरे से जीवनभर साथ निभाने की कसमें लेते लिखे दे रहे हैं। दूसरी तस्वीर में शादी के बाद दोनों खुशी से मुस्कुराते और अपनी नई शुरुआत का जश्न मनाते हुए नजर आ रहे हैं जबकि एक अन्य तस्वीर में कपल एक–दूसरे को प्यार से किस करता दिखाई दे रहा है। इन तस्वीरों के साथ जेनिफर ने कैप्शन में लिखा– जस्ट मैरिड। लेडीज एंड जेंटलमैन, कृपया खड़े होकर मेरे पति का स्वागत कीजिए। जैसे ही जेनिफर ने अपने सोशल मीडिया पर शादी की तस्वीरें शेयर की है हर कोई उन्होंने बधाई दे रहा है। टीवी इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड के सितारें भी जेनिफर को शादी की बधाई दे रहे हैं। वहीं जन्नत जुबैर, वत्सल सेठ, मौनी रॉय, रीम शेख, नकुल मेहता, करणवीर बोहरा, आशीष चौधरी, रश्मि देसाई, दृष्टि धामी और भी सितारों ने उनको नई जीवन के शुरू करने की दुआए दीं।

विजय की 'जन नायकन' का जलवा, लिमिटेड रिलीज के बावजूद एडवांस बुकिंग में कमाए इतने करोड़ रुपये

एच विनोथ के निर्देशन में बनी यह पॉलिटिकल एक्शन ड्रामा 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। सर्टिफिकेशन से जुड़े मुद्दों की वजह से फिल्म की रिलीज करीब 7 महीने तक टल गई थी। फिल्म की रिलीज डेट सामने आने के बाद अब एडवांस बुकिंग में शानदार कमाई की है। फिल्म ने ओपनिंग डे के लिए एडवांस बुकिंग में कुछ ही घंटों में 10 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, वो भी लिमिटेड स्क्रीन रिलीज के बावजूद। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ने अब तक भारत में एडवांस बुकिंग से करीब 10.60 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। रविवार सुबह तक 4,314 शोज के लिए 4.35 लाख से ज्यादा टिकट बिक चुके थे। अभी कई बड़े लोकेशंस पर बुकिंग शुरू नहीं हुई है, इसलिए ट्रेड एक्सपर्ट्स को उम्मीद है कि यह आंकड़ा और तेजी से बढ़ेगा। तमिलनाडु इस फिल्म का सबसे बड़ा मार्केट बनकर सामने आया है, जहां से करीब 4.87 करोड़ रुपये की बुकिंग हुई है। इसके बाद कर्नाटक में 3.04 करोड़ रुपये की कमाई हुई, जिसमें बेंगलुरु का सबसे बड़ा योगदान रहा। केरल से भी 1.69 करोड़ रुपये की अच्छी कमाई हुई है। शहरों की बात करें तो बेंगलुरु सबसे आगे है, जहां से 3.01 करोड़ रुपये की एडवांस बुकिंग हुई है। चेन्नई में 1.18 करोड़ रुपये की कमाई हुई है, जहां 86ः से ज्यादा सीटें भर चुकी हैं। कोयंबटूर से 67 लाख रुपये आए हैं, जबकि हैदराबाद, मदुरै, तिरुवनंतपुरम और कोच्चि में भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म की तमिल वर्जन का दबदबा साफ नजर आ रहा है, जिसने कुल एडवांस बुकिंग में से 10.17 करोड़ रुपये (करीब 96प्रतिशत) कमाए हैं। तेलुगु वर्जन ने 42 लाख रुपये कमाए हैं, जबकि हिंदी वर्जन का योगदान अभी काफी कम है। फिल्म की रिलीज से पहले एचडी लीक होने की खबर भी आई थी, जिससे मेकर्स और फैंस चिंतित थे। इसके बावजूद फिल्म की एडवांस बुकिंग पर इसका ज्यादा असर नहीं पड़ा है। 'जन नायकन' में विजय के साथ पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, ममिता बैजू, प्रकाश राज, गौतम वासुदेव मेनन, प्रियमणि, नारायण और नासर जैसे कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म खास इसलिए भी है क्योंकि इसे विजय की आखिरी फिल्म माना जा रहा है। इसके बाद वह पूरी तरह से राजनीति पर फोकस करेंगे, जिससे फिल्म को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है।

व्रत के दौरान चाय या कॉफी की चुस्की लेने से पहले कर लें इन बातों पर गौर

चाय हो या कॉफी, ये ऐसी ड्रिंक है जो हर भारतीय को पसंद है। ज्यादातर लोग सुबह उठकर इसके साथ ही दिन की शुरुआत करते हैं। कुछ लोग तो इसका परहेज व्रत के समय पर भी नहीं करते हैं। वहीं व्रत के समय चायध्कॉफी पीना सही है या नहीं, इस पर भी खूब चर्चा होती है। कुछ लोग मानते हैं कि चाय–कॉफी व्रत में पीने से कोई दिक्कत नहीं होती है, वहीं कई लोग इसे गलत मानते हैं, तो सावन सोमवार व्रत के मौके पर आइए आपको बताते हैं इसके पीने के फायदे और नुकसान...

खाली पेट चाय–काफी पीने से हो सकती है एसिडिटी

किसी भी व्रत को रखने के कुछ नियम होते हैं। सावन हो या महाशिवरात्रि भारत में ज्यादतर त्योहार बदलते मौसम के साथ आते हैं। सावन के मौके पर भी लगातार मौसम बदल रहा है। कभी गर्मी पड़ रही है तो कभी बारिश मौसम ठंडा कर रहा है। ऐसे में व्रत के दौरान सॉलिड फूड ना लेकर सिर्फ चाय–कॉफी पीने से दिक्कत हो सकती है। एक्सपर्ट्स की मानें तो इसे खाली पेट पीने से एसिडिटी और गैस हो सकती हैं। लेकिन अगर हम व्रत में थोड़ा– बहुत कुछ खा रहे हैं तो चाय– कॉफी के 1 या 2 कप ले सकते हैं।

कैफीन देता है एनर्जी

अगर आप बिना चीनी और दूध के चाय– कॉफी लेते है तो ज्यादा बेहतर रहेगा, क्योंकि इसमें मौजूद कैफिन आपको एनर्जी देगा। साथ ही ब्लैक टी और कॉफी से भूख भी कम लगेगी। इससे कम मात्रा में पीने से वेट लॉस भी होगा।

2 कप ने ज्यादा ना लें चाय– कॉफी

व्रत के दौरान कॉफी– चाय लेनी चाहिए या नहीं इस पर साइंस की भी अलग–अलग धारणाएं हैं। कैफिन बॉडी के लिए अच्छी है, पर इसका ओवरडोज नुकसान भी पहुंचा सकता है। फास्ट के समय बॉडी डिटॉक्स होती है तो बेहतर होगी मीठी चीजें कम लें। पूरे दिन में 2 से ज्याद कप चाय–कॉफी लेने से बचें।

स्नैक्स में फटाफट बनाएं मसालेदार गिल्ड पाइनएप्पल, खाने वालों का एक से नहीं भरेगा मन

हम सब ने ग्रिल्ड चिकन और अमहमजंइसमे तो खाएं ही हैं, लकिन क्या आपने कोई ग्रिल्ड फ्रूट खाया है? अगर नहीं तो यकिनन आपने कभी ग्रिल्ड पाइनएप्पल के बारे में भी नहीं सुना होगा। ये एक बहुत ही टेस्टी फ्यूजन डिश है जिसे हेल्दी स्नैक्स के रूप में खाया जा सकता है। ये बेहद ही मसालेदार होती हैऔर 15 मिनट में आसानी से तैयार भी हो जाती है। आइए आपको बताते हैं ये आसान सी रेसिपी...

ग्रिल्ड पाइनएप्पल बनाने की सामग्री

पाइनएप्पल – 1

बोरबॉन व्हिस्की

ब्राउन शुगर

विधि

1. सबसे पहले एक पाइनएप्पल को बिना छिले भट्टी में अच्छी तरह से ग्रिल कर लें।

2.फिर कुछ देर के लिए ठंडा होने के लिए रख दें।

3. अब चाकू की मदद से पाइनएप्पल के छिलके के उतारें।

4. पाइनएप्पल को गोल–गोल काटें और उनके ऊपर ब्राउन शुगर छिड़कें।

5. अब इन पाइनएप्पलस को तवे में गोल्डन ब्राउन होने तक दोनों तरफ से अच्छी तरह से सेकें।

6. दूसरी तरफ एक पैन में बोरबॉन व्हिस्की और ब्राउन शुगर डालकर गर्म करें ।

7. इस sauce को पाइनएप्पल पर डालें। आपका ग्रिल्ड पाइनएप्पल तैयार है।

8. आप इसके ग्रिल्ड चिकन के साथ खा सकते हैं या फिर स्नैक्स की तरह इसका मजा ले सकते हैं।

बारिश में हो सकता है गेस्ट्रो इंफेक्शन का खतरा, जानें कारण, लक्षण और इलाज

बारिश का मौसम भले ही गर्मी से थोड़ी राहत देता हो लेकिन साथ में बीमारियां भी बहुत सारी लाता है। इस मौमस में जरा सी लापरवाही कई तरह के इंफेक्शन का कारण बन सकती है। इसी में से एक है गेस्ट्रो इंफेक्शन। खानपान की लापरवाही पेट से जुड़ी इस दिक्कत को जन्म दे सकती है। इसलिए जरूरी है कि गेस्ट्रो इंफेक्शन के बारे में सही जानकारी और लक्षणों का पता होना। जिससे समय रहते उपचार के जरिए इसे ठीक किया जा सके।

क्या है गेस्ट्रो इंफेक्शन

गेस्ट्रो इंफेक्शन वायरस की वजह से होता है। जिसे गेस्ट्रोएंट्राइटिस कहते हैं।गेस्ट्रो इंफेक्शन में स्टमक की लाइनिंग और आंतों में सूजन आ जाती है। जिसके कई सारे लक्षण दिखना शुरू हो जाते हैं। हालांकि गेस्ट्रो इंफेक्शन से हेल्दी लोगों को ज्यादा खतरा नही है। लेकिन समय पर डॉक्टर से संपंर्क जरूरी होता है क्योंकि इस इंफेक्शन में पानी भी नहीं पचता जिसकी वजह से इंसान बहुत ज्यादा कमजोर हो जाता है।

गेस्ट्रो इंफेक्शन के लक्षण

पेट में सूजन और गेस्ट्रो इंफेक्शन होने पर हाई फीवर होता है। साथ ही स्टूल से ब्लड आना, डिहाइड्रेशन, मुंह सूखना, यूरिन कम होना या बिल्कुल ना होना, वीकनेस, चक्कर आना शामिल है।

बारिश के मौसम में है ज्यादा खतरा

बारिश के मौसम में ई कोलाई, सल्मोनेलिया जैसे वायरस काफी ज्यादा सक्रिय होते हैं। जो खाने वाले फूड आइटम पर मंडराते रहते हैं। इन्हें खाने से पेट में इंफेक्शन का खतरा बहुत ज्यादा होता है। बारिश में ज्यादातर बाहर का खुला, कच्चा और अधपका खाना नहीं खाना चाहिए। इसके साथ ही पीने के पानी का भी खास ध्यान रखना चाहिए। हमेशा आरओ, यूवी या फिर उबला पानी ही पीना चाहिए। खुली जगह रखा, गंदा पानी भूलकर भी ना पिएं। बारिश के मौसम में की गई खानपान के प्रति लापरवाही इंफेक्शन का खतरा बढ़ा देती है।

आयुर्वेदिक इलाज आएंगे काम

वैसे तो गेस्ट्रो इंफेक्शन होने पर डॉक्टर से संपर्क जरूरी होता है। लेकिन आयुर्वेद की बताए इन उपचार से भी कई बार पेट का इंफेक्शन ठीक हो सकता है।

अनार के दाने

आयुर्वेद एक्सपर्ट के मुताबिक अनार के दाने को काला नमक और काली मिर्च के साथ मिलाकर खाने से पेट के इंफेक्शन से राहत मिलती है। अनार के दाने पेट के वायरस को मारते हैं और सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

जायफल

जायफल को पेट की बीमारियों में काफी फायदेमंद माना गया है। आयुर्वेद में जायफल के तेल को लेने से पेट के इंफेक्शन में राहत मिलती है।

लौंग

लौंग के पानी को रोजाना पीने से पेट के इंफेक्शन खत्म करने में मदद मिलती है। लौंग में मौजूद तत्व पेट के वायरस को मारने में मदद करते हैं।

बच्चों के लिए ढूंढ रहे हैं कुछ यूनिक रेनकोट तो यहां से लें बेहतरीन आइडियाज

बरसाती मौसम में दस्तक दे दी है ऐसे में इस मौसम से अपने आप को बचाने के लिए रेनकोट और छाते बहुत जरुरी है। बड़े लोग तो कोई भी छाता या फिर रेनकोट ले लेते हैं लेकिन छोटे बच्चे रेनकोट लेते समय कई तरह के नखरे दिखाते हैं। ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे रेनकोट दिखाते हैं जो आपके बच्चे आसानी से पहन भी लेंगे। तो चलिए डालते हैं बेबी रेनकोटस पर एक नजर...

इस तरह का रेनकोट आपके बच्चे के लिए एकदम परफेक्ट रहेगा। इसमें उनके कान भी ढके रहेंगे और वह बारिश से पूरी तरह बच पाएंगे।

फ्रॉक स्टाइल रेनकोट आप अपनी बेटी को लिए चूज कर सकती हैं। यह रेनकोट बच्चे को बारिश से बचाने के साथ–साथ कंफर्टेबल लुक भी देंगे।

कैट स्टाइल रेनकोट आप बच्चों के लिए खरीद सकती हैं। इस स्टाइल के रेनकोट बच्चे आसानी से कैरी भी कर लेंगे और उन्हें एक स्टाइलिश लुक भी मिलेगा।

वॉटरप्रूफ रेनकोट बच्चों को लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकते हैं। भारी बारिश में इस तरह के रेनकोट बच्चे को पानी से बचाएंगे।

आप अपने साथ मैच करते हुए रेनकोट बच्चे के लिए खरीद कर ला सकती हैं। मैचिंग रेनकोट में आप बच्चों के साथ ट्विनिंग कर सकती हैं।

यूनिकॉर्न शेप रेनकोट आपके बच्चे खुश होकर पहन लेंगे। खासकर इस तरह के रेनकोट में बच्चे अपना लुक और भी अच्छे से कंप्लीट कर पाएंगे।

हुड्डी स्टाइल रेनकोट आप अपने बच्चों के लिए खरीद सकते हैं। मैचिंग फुटवियर दिलवाकर आप बच्चे को और भी आसानी से रेनकोट पहनने के लिए मना सकते हैं।

छाते के साथ मैचिंग रेनकोट बच्चे को पूरी कूल वाइब्स देंगे। ऐसे में आप उन्हें इस तरह के रेनकोट पहनाकर बारिश के गंदे मौसम से आसानी से बचा सकते हैं।

सुबह की शुरुआत करें टेस्टी और हेल्दी मल्टीग्रेन चीला के साथ, दिनभर रहेगी एनर्जी

आजकल की बिजी लाइफस्टाइल में लोग अहेल्दी और पैकफूड ज्यादा खाते हैं। जिससे बीमारियां जल्दी चपेट में ले लेती हैं। वहीं अगर आप अपने डाइट में ध्यान दें और अपने खाने–पीने में हल्का सा भी बदलाव करें तो आपकी सेहत बहुत अच्छी रहेगी। इसकी शुरुआत आप मल्टीग्रेन चीला से कर सकते हैं। ये टेस्टी होने के साथ पौष्टिक भी है और इसे खाने से दिनभर शरीर में एनर्जी बनी रहती है। आइए आपको बताते हैं मल्टीग्रेन चीला की आसान सी रेसिपी...

मल्टीग्रेन आटा– 1/2 कप

सूजी– 2 चम्मच

पसंदीदा सब्जियां (जैसे प्याज, गाजर, शिमला मिर्च, पालक आदि बारीक कटी हुई)– 1/4 कप

हरी मिर्च(कटी हुई)– 1

अदरक (कद्दूकस किया हुआ)– 1/2 चम्मच

हल्दी– 1/4 चम्मच

जीरा पाउडर– 1/4 चम्मच

नमक स्वादनुसार

जरूरत के हिसाब से पानी

तेल

बनाने के विधि

1. एक कटोरी में मल्टीग्रेन आटा, सूजी, बारीक कटी हुआ सब्जियों, हरी मिर्च और कद्दूकस किए हुए अदरक को एक साथ अच्छी तरह से मिला लें।

2.अब इसमें हल्दी पाउडर, जीरा पाउडर और नमक मिला लें। इस मिश्रण में पानी डालें और अच्छी से फेंट कर घोल तैयार करें ताकि सनउचे ना बनें ।

3. अब पैन को तेल डालकर गर्म करें और एक कड़छी से घोल पैन में डालकर फैला दें।

4. कुछ मिनटों के लिए इसे पकने दें, जब तक वो गोल्डन ब्राउन ना हो जाए।

5. दोनों तरफ से अच्छी तरह पकने के बाद पिस्ता और इलायची पाउडर ऊपर से छिड़के दें।

6. आपका मल्टीग्रेन चीला तैयार है। चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

संक्षिप्त

मां-बाप के त्याग से निशानेबाज बनीं साक्षी, दूसरा विश्वकप खेलने गई चीन

नई दिल्ली,एजेंसी। बचपन के संघर्ष की बात छिड़ते ही निशानेबाज साक्षी पाडेकर तपाक से बोलती हैं, मुझे कोई सहानुभूति नहीं चाहिए। बावजूद इसके मैं अपनी कहानी देश के हर युवा को इसलिए बताना चाहती हूं कि अगर मैं कर सकती हूं तो हर कोई कर सकता है। सीनियर स्तर पर दूसरा विश्वकप खेलने चीन गईं साक्षी गर्व से बताती हैं कि मैं चौकीदार पिता की बेटी हूं। मैं भारतीय टीम में हूं, पर मेरे पापा आज भी चौकीदारी करते हैं। मां गृहणी हैं, लेकिन वह भी कुछ समय पहले तक सात हजार रुपये प्रतिमाह पर वेल्डिंग का काम करती थीं। इस दौरान उनकी अंगुलियां जख्मी हो गई, जिसके चलते उन्हें नौकरी छोड़नी पड़ी। 22 वर्षीय साक्षी कहती हैं कि मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है, लेकिन माता-पिता हमेशा मेरे सपनों के साथ खड़े रहे। साक्षी भावुक होकर कहती हैं कि परिवार के पास जीरो बैंक बैलेंस है, लेकिन मेरे पिता से अगर आप पूछेंगे तो वह यही कहेंगे मेरा बैंक बैलेंस मेरे तीन बच्चे (दो बहनें, एक भाई) हैं। साक्षी कहती हैं कि अगर ऐसे मां-बाप हर घर में हों तो देश में ओलंपिक के पदकों की संख्या बढ़ जाएगी। साक्षी मार्शल आर्ट थांग्टा और अशटेडू अखाड़ा की राष्ट्रीय खिलाड़ी रही हैं। अशटेडू अखाड़ा में लगातार दो राष्ट्रीय चौंपियनशिप में स्वर्ण जीते। वह जूडो, बेसबाल, सॉफ्टवाल की भी खिलाड़ी रहीं, लेकिन एनसीसी में उन्होंने 22 की राइफल पकड़ी तो उन्हें इसमें आनंद आया। उन्होंने 2021 में शूटिंग शुरू की और इस वर्ष सीनियर भारतीय टीम में जगह बना ली।

फुटबॉल शो में मेसी-रोनाल्डो पर राय देकर क्यों ट्रोल हुए शोएब अख्तर? सोशल मीडिया पर मचा हंगामा

कराची,एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल के दौरान मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर अपनी राय देने के बाद सोशल मीडिया पर ट्रोल हो गए। अख्तर अर्जेंटीना और स्पेन के बीच खेले गए खिताबी मुकाबले के दौरान टैपमैड और पीटीवी के फुटबॉल शो के पैनल में शामिल थे। हालांकि, फुटबॉल पर उनकी मौजूदगी और उनके बयान दोनों ही कई दर्शकों को पसंद नहीं आए। शोएब अख्तर ने चर्चा के दौरान कहा कि फुटबॉल के इतिहास में क्रिस्टियानो रोनाल्डो से बड़ा ब्रांड कोई नहीं रहा। उनके मुताबिक पिछले एक दशक में फीफा और दुनिया की कई बड़ी फुटबॉल लीगों ने रोनाल्डो की लोकप्रियता का भरपूर फायदा उठाया। अख्तर ने कहा कि रोनाल्डो का व्यावसायिक प्रभाव और वैश्विक पहचान उन्हें फुटबॉल का सबसे बड़ा ब्रांड बनाती है। हालांकि, अख्तर ने साथ ही यह भी साफ किया कि अगर बात केवल फुटबॉल खेलने की क्षमता की हो तो लियोनेल मेसी अलग स्तर के खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा कि मेसी का खेल, गेंद पर नियंत्रण, मैदान पर उनका प्रभाव और विरोधी खिलाड़ियों को अपनी ओर खींचने की क्षमता उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती है। अख्तर ने यहां तक कहा कि फुटबॉल के लिहाज से रोनाल्डो मेसी के आसपास भी नहीं हैं। उन्होंने रोनाल्डो की मेहनत और फिटनेस की भी सराहना की, लेकिन अंत में मेसी को बेहतर खिलाड़ी बताया। अख्तर का यह बयान सामने आते ही सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई। कई यूजर्स ने सवाल उठाया कि क्रिकेटर होने के बावजूद वह फुटबॉल विश्व कप के विश्लेषण पैनल में कैसे पहुंचे। कुछ लोगों ने उनके विश्लेषण का मजाक उड़ाया, जबकि कुछ ने उनकी राय का समर्थन भी किया। मेसी और रोनाल्डो के प्रशंसकों के बीच पहले से चल रही श्ळ.ए.ज्श बहस में अख्तर की टिप्पणी ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया। विश्व कप फाइनल में स्पेन ने अतिरिक्त समय में अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर दूसरी बार विश्व चौंपियन बनने का गौरव हासिल किया। 106वें मिनट में फेरान टोरेस ने निर्णायक गोल किया। मैच में अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने 11 शानदार बचाव किए, जो विश्व कप फाइनल का नया रिकॉर्ड है। वहीं एंजो फर्नांडीज को दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में रेड कार्ड मिलने के बाद अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। अंततः स्पेन ने अपने दबदबे का फायदा उठाते हुए खिताब अपने नाम कर लिया।

स्पेन की तकनीक के सामने बिखर गई अर्जेंटीना, अधूरा रह गया मेसी का आखिरी सपना

न्यू जर्सी,एजेंसी। स्पेन फीफा वर्ल्ड कप का नया विजेता है। यूरो कप के बाद फीफा वर्ल्ड कप,दोनों स्पेन के नाम। विश्व चौंपियन ऐसी टीम ही होती है, जो हर क्षेत्र में विरोधी टीम को मात दे। अर्जेंटीना फाइनल मैच हारा और खेल भावना में भी हारा। हार जीत खेल का हिस्सा है, लेकिन बिना खेले मेस्सी की टीम का हारना अर्जेंटीना के दुनिया भर के प्रशंसकों को घोर निराशा कर गया। स्पेन नचा रहा था ओर अर्जेंटीना नाच रहा था। मैच में अर्जेंटीना कहीं नहीं था। पूरे मैच में अर्जेंटीना एक भी मूव नहीं बना सका। मैसी मैदान में चहलकदमी कर रहे थे। मेसी मैच खेल रहे थे या मैदान से मैच देख रहे थे। अर्जेंटीना से सिर्फ गोलकीपर खेल रहा था। अर्जेंटीना ऐसे खेल रहा था जैसे बंगाल का कोई क्लब खेल रहा हो। अर्जेंटीना की किस्मत अच्छी थी,नहीं तो कम से कम 6 गोल से स्पेन जीत जाता। फुटबॉल के फाइनल जैसे मैच बड़े नामों से नहीं,बल्कि टीम वर्क के सांचे में ढली हुई कोच से प्रशिक्षित हुई टीम से जीते जाते हैं। यह मैच अर्जेंटीना खुद से ही हार रही थी और अंत तक वह खुद में भीतर से विजेता का पुनराविष्कार नहीं कर सकी।अर्जेंटीना पूरे टूर्नामेंट में कभी भी अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं रही और खुद को अनमनी-सी जैसे खोज रही थी। अर्जेंटीना मैंच में 4-4-2 के फॉर्मेशन में अक्सर खेलती है। अर्जेंटीना के फॉरवर्ड खिलाड़ी अल्वारेज और लौतारो मार्टिनेज कल कहां थे? अर्जेंटीना के मिडफील्डर एन्जो फर्नांडीज, एलेक्सिस मैक-एलीस्टर, लियोन्द्रो परेडेस और रोड्रिगो डी-पॉल कल कहां थे? स्पेन बहुत टेक्निकल खेल खेलती हैं और गेंद को छोटे छोटे पास के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा अपने पास रखना पंसद करती हैं। स्पेन ने यह किया भी। अर्जेंटीना ने पूरे मैच में एक भी बिग-चान्स क्रिएट नहीं किया और स्पेन के गोलची क्लीन-शीट लेकर लौटे।

मेस्सी का सामना स्पेन के युवा सेंटर-बैक पाउ कुबार्सी से हुआ, मेस्सी कुबार्सी को पार नहीं कर सके। मेस्सी राइट-फ्लैन्क में भी गए तो उन्हें स्पेन के तेजतर्रार लेफ्ट-बैक मार्क कुकुरेया ने रोका। मेस्सी ने इस विश्वकप में सर्वाधिक सक्सेसफुल ड्रिबल किए हैं और स्पेन के कुकुरेया ने इस विश्वकप में एक भी खिलाड़ी को अपने से ड्रिबल जीतने नहीं दिया है। कल फाइनल में मेस्सी को भी नहीं। कल दो भिन्न महाद्वीपों ही नहीं, दो भिन्न संस्कृतियों, नजरियों, फिलॉस्फियों,शैलियों का भी टकराव देखने की उम्मीद थी,यह उम्मीद बुरी तरह टूटी। विश्वकप जैसे टूर्नामेंटों में मजबूत टीमें एक तकनीकी-प्लान के साथ उतरती हैं और मिडफील्ड से लेकर फॉरवर्ड तक में जमकर मोर्चा बांधती हैं। स्पेन ने अर्जेंटीना के सामने लो-ब्लॉक, फुर्तीला ट्रांजिशन और काउंटर-अटैक की रणनीति बनाई और खुद को मैच में अपनी जान झोंक दी। परिणाम सामने है। स्पेन की टीम श्ला रोखाश कहलाती है। इसका अर्थ होता है-द रेड वन। इन लाल कमीज वालों की तकनीकी श्रेष्ठता के आगे अर्जेंटीना पूरे खेल में कहीं नहीं थी। बधाई स्पेन!

क्या लियोनल स्कालोनी अर्जेंटीना के कोच पद से देंगे इस्तीफा ? हार के बाद भावनाओं पर नहीं रख पाए काबू

न्यू जर्सी,एजेंसी। अर्जेंटीना का लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना साकार नहीं हो सका। फीफा विश्व कप 2026

के फाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना को स्पेन के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद अपने भविष्य के बारे में पूछे जाने पर अर्जेंटीना के कोच लियोनल स्कालोनी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए और रोते हुए मैच के बाद की प्रेस कॉन्फ्रेंस से बाहर चले गए। स्कालोनी का करार दिसंबर में खत्म हो रहा है। अर्जेंटीना अगर फाइनल में बाजी मारने में सफल रहता, तो स्कालोनी खिताब का बचाव करने वाले इतिहास के दूसरे मुख्य कोच बन जाते। हालांकि, अतिरिक्त समय में फेरान टोरेस द्वारा किए गए गोल ने उनका सपना तोड़ दिया और स्पेन दूसरी बार चौंपियन बनने में सफल रहा। इस हार के बाद स्कालोनी के भविष्य को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। मैच के बाद स्कालोनी ने अपने भविष्य पर कहा, मैं अध्यक्ष से बात करूंगा। मेरे मन में एक विचार है कि मैं क्या करना चाहता हूं। मैं अपना करार पूरा करूंगा। मुझे नहीं पता कि क्या किया जा सकता है। हमें इस पर बात करने की आवश्यकता है। मैं अध्यक्ष का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे इस जगह पर आने का मौका दिया, जहां मैं अभी हूं। यह हर किसी के लिए एक सपनों की जगह थी। खिलाड़ियों और स्टाफ ने आखिरी मिनट तक अपना सब कुछ देने की कोशिश की। मुझे लगता है कि यह सही है कि मैं इस बारे में सोचने के लिए खुद को थोड़ा समय दूं। स्कालोनी भावुक होते हुए बोले, थोड़ा सब्र रखें मुझे नहीं पता कि मैं आगे बढ़ पाऊंगा या नहीं। यह जगह शानदार है, यह सपनों की जगह है। हमने कभी नहीं सोचा था, मेरे स्टाफ ने भी नहीं, कि हम इस जगह पर होंगे। आगे बढ़ने के लिए बहुत सी चीजों की जरूरत होती है, खासकर अपने दिमाग को रीसेट करना, रीबूट करना, फिर से ऐसा ग्रुप बनाना। ऐसा ग्रुप फिर से बनाना बहुत मुश्किल है। स्कालोनी ने कहा कि उन्होंने कप्तान लियोनल मेसी से अपने भविष्य के बारे में बात नहीं की है। 39 वर्षीय मेसी ने टूर्नामेंट में आठ गोल किए, लेकिन फाइनल में अपना आम प्रभाव नहीं छोड़ सके। स्पेन के डिफेंस ने मेसी को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। स्कालोनी ने कहा, वह अब 39 साल के हैं। मेरे लिए यह बिल्कुल साफ था कि वह तब तक खेलते रहेंगे जब तक वह खुद फैसला न कर लें कि नहीं खेलना है। मुझे उम्मीद है कि हर कोई उन पर और उनकी उपलब्धियों पर गर्व करेगा, क्योंकि वह फुटबॉल के मैदान पर उतरने वाले अब तक के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। मुझे इसमें कोई शक नहीं है, और इस विश्व कप के दौरान उन्होंने जो किया, वह अद्भुत था। हालांकि, उससे पहले भी उन्होंने जो किया, वह भी कमाल था।

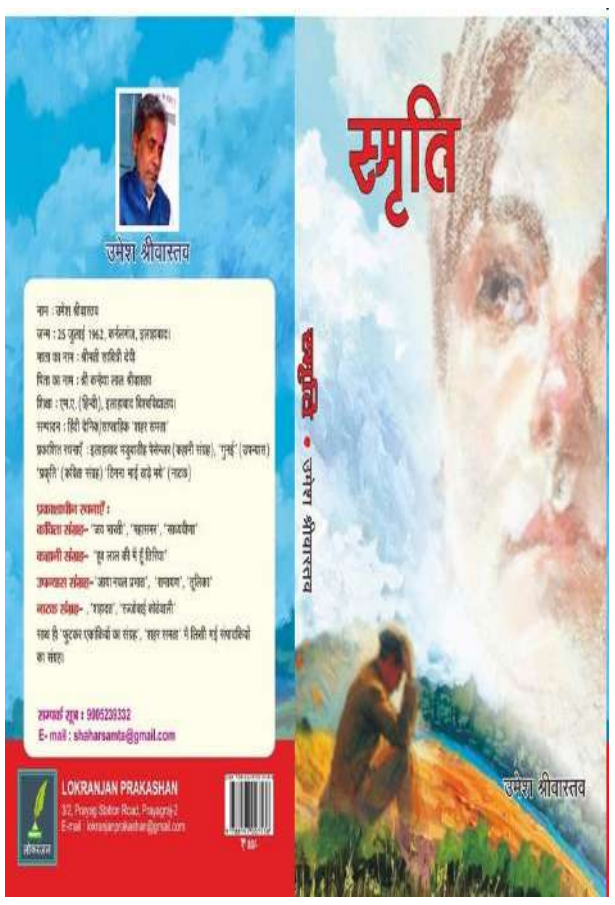

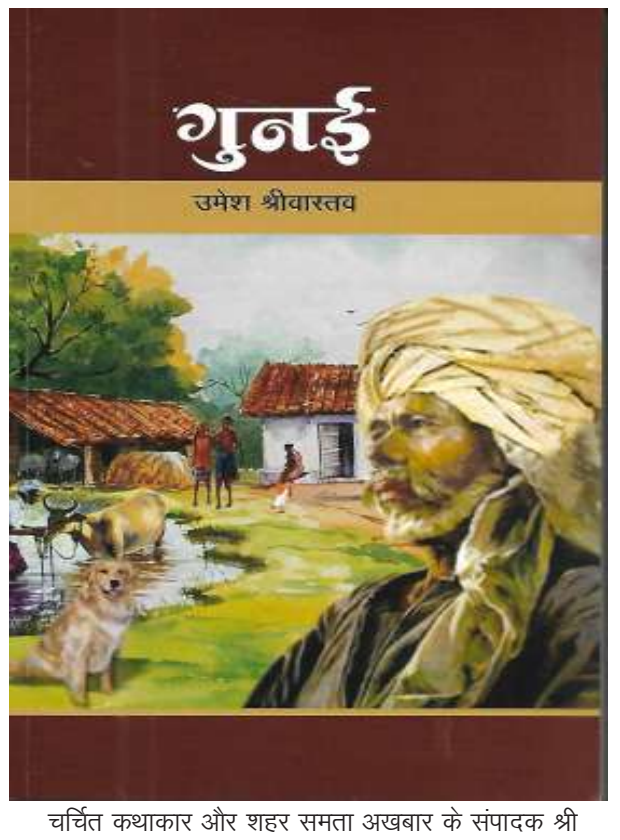

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

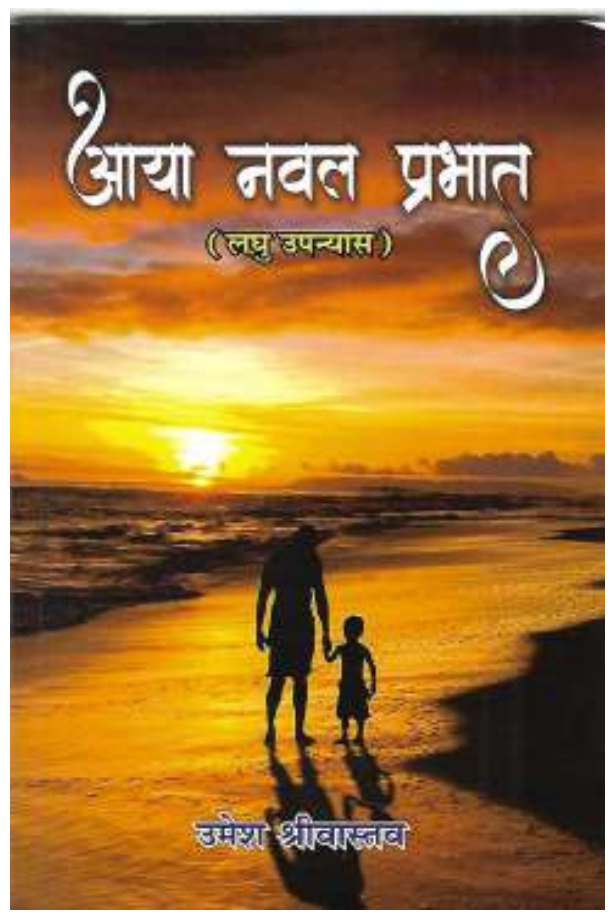

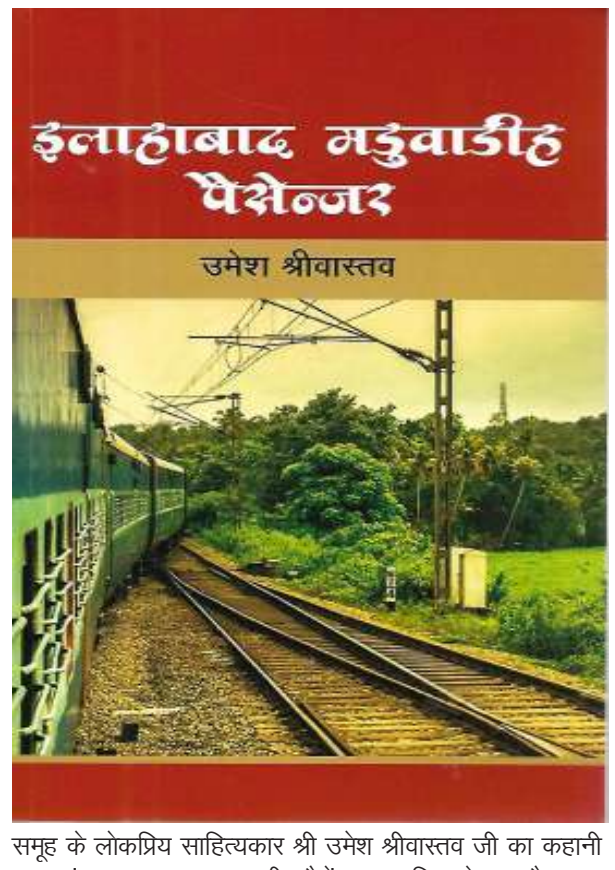

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

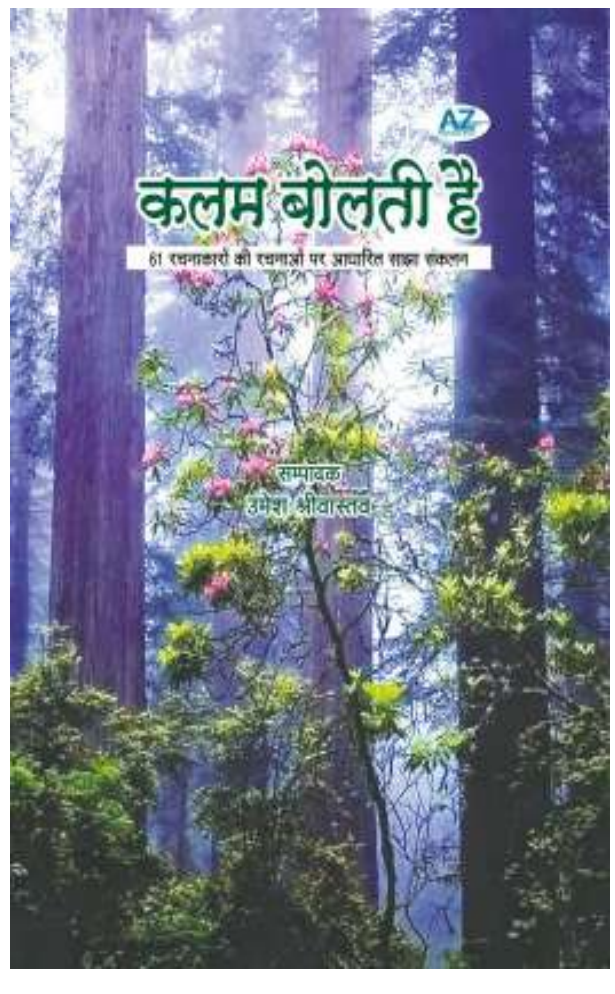

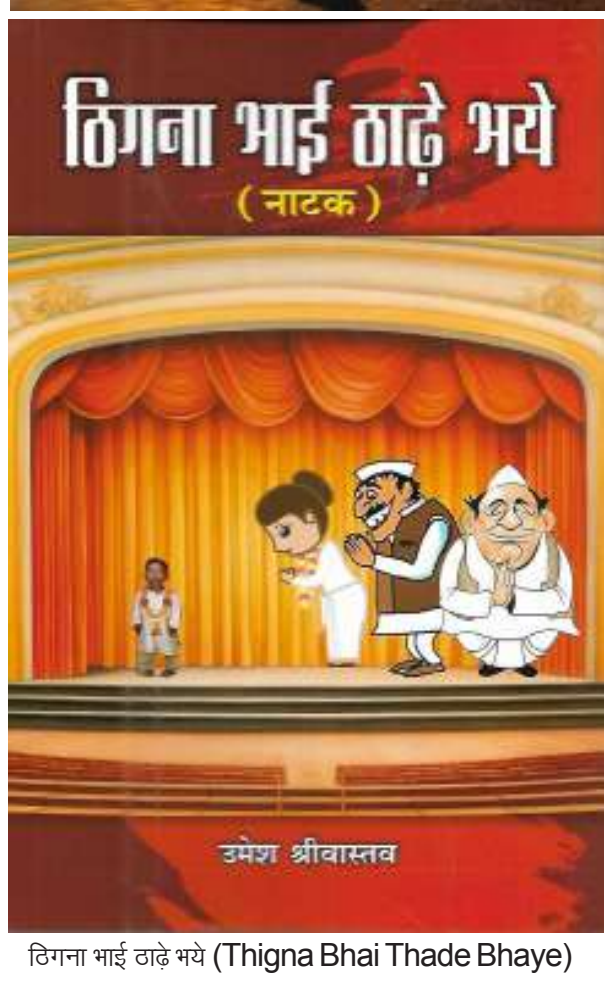

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

ईरान संकट से दक्षिण चीन सागर तक, आसियान बैठक में किन मुद्दों पर रहेगी दुनिया की नजर?

मनीला (फिलीपींस), एजेंसी। दक्षिण–पूर्व एशिया के शीर्ष राजनयिक मंगलवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला में बैठक करने वाले हैं, जिसमें पश्चिम एशिया में फिर से बढ़े तनाव पर चर्चा की उम्मीद है। इस बैठक में अमेरिका, चीन, रूस और यूरोपीय संघ समेत पश्चिमी और एशियाई देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। दुनिया में चल रहे कई बड़े जटिल संघर्ष में से ईरान में हाल की लड़ाई भी आसियान देशों की सालाना बैठक में एक अहम मुद्दा होगी। इस साल 11 देशों के संगठन आसियान की अध्यक्षता फिलीपींस कर रहा है और वही राजधानी मनीला में तीन दिन तक चलने वाली इस बैठक की मेजबानी कर रहा है। बैठक में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो, चीन के विदेश मंत्री वांग यी और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव समेत कई नेता शामिल होंगे। यूक्रेन के शीर्ष राजनयिक एंड्री सिबिहा को 1976 में हुए आसियान के गैर–आक्रामकता समझौते की वर्षगांठ पर शुक्रवार को होने वाले समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। हालांकि, वह आसियान की उन बैठकों में हिस्सा नहीं लेंगे, जिनमें लावरोव और रुबियो शामिल होंगे। ईरान युद्ध आसियान की बड़ी चिंताओं में शामिल आसियान के सदस्य देशों के विदेश मंत्री मंगलवार को सबसे पहले आपस में बैठक करेंगे। इसमें अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष समेत अन्य प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होगी। यह संघर्ष पश्चिम एशिया के दूसरे देशों तक फैल गया है और इससे एक बड़े युद्ध की वापसी की आशंका बढ़ गई है। दक्षिण–पूर्व एशिया के दो राजनयिकों ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि आसियान देश इन घटनाओं पर चिंता जताते हुए एक संयुक्त बयान जारी करने और दोनों पक्षों से फिर से बातचीत शुरू करने की अपील करने की योजना बना रहे हैं। लड़ाई के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात एक बार फिर खतरे में पड़ गया है। युद्ध से पहले दुनिया की करीब 20 फीसदी तेल आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरती थी। 68 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले दक्षिण–पूर्व एशिया का यह क्षेत्र पश्चिम एशिया के तेल और गैस पर काफी निर्भर है। ईरान युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर आपूर्ति और कीमतों में आए बदलाव का इस क्षेत्र पर गंभीर असर पड़ा है। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने मार्च में राष्ट्रीय ऊर्जा आपातकाल घोषित किया था। इसका मकसद ईंधन, भोजन और अन्य जरूरी सामान की उपलब्धता सुनिश्चित करना और जमाखोरी व मुनाफाखोरी को रोकना था। ईरान युद्ध पर अमेरिका का फोकस बढ़ने और उसकी सैन्य ताकत का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया की ओर भेजे जाने से एशिया–प्रशांत क्षेत्र को लेकर चिंता बढ़ी है। इसमें दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामक गतिविधियां और ताइवान के खिलाफ उसके कदम भी शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन ने इन मामलों में मदद करने का वादा किया है। रुबियो आसियान और क्वाड बैठकों के लिए फिलीपींस रवाना अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो आसियान की बैठकों में शामिल होने के लिए फिलीपींस रवाना हो गए हैं। इस दौरान वह क्वाड समूह के देशों के विदेश मंत्रियों के साथ भी बातचीत करेंगे। मनीला में इस सप्ताह होने वाली क्वाड मंत्रिस्तरीय बैठक दो महीने के भीतर दूसरी बैठक होगी। इससे पहले क्वाड की मंत्रिस्तरीय बैठक मई में नई दिल्ली में हुई थी। इसमें भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और मार्को रुबियो शामिल हुए थे। रुबियो रविवार शाम मैरीलैंड स्थित ज्वाइंट बेस एंड्रयूज से मनीला के लिए रवाना हुए। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा, इस साल की दूसरी क्वाड मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए इस सप्ताह फिलीपींस में विदेश मंत्री रुबियो के साथ शामिल होने को लेकर उत्साहित हूं। अमेरिका एक स्वतंत्र और खुले हिंद–प्रशांत क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध है और हमारे क्वाड साझेदार बेहद अहम हैं।

संक्षिप्त

कौन हैं उदय रुद्दाराजू? जो बने OpenAI के नए CTO; जानें क्यों छोड़ दी एलन मस्क की AI कंपनी

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के टेक अधिकारी उदय रुद्दाराजू को माइक्रोसॉफ्ट के निवेश वाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी ओपनएआई में श्चीफ टेक्नोलॉजी

ऑफिसर (सीटीओ), कंप्यूटश नियुक्त किया गया है। उदय ने लिंक्डइन पर इस नई जिम्मेदारी की जानकारी दी। वह पिछले साल जुलाई में ओपनएआई से जुड़े थे और कंपनी में उनका पहला साल बेहद शानदार रहा है। उदय रुद्दाराजू की शिक्षा और करियर उदय ने हैदराबाद के चौतन्य भारती इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से कंप्यूटर साइंस में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (BE) की पढ़ाई की है। कॉलेज के दिनों में उन्होंने अमेजन वेब सर्विसेज (AWS) में इंटर्नशिप की थी। इसके बाद वह उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका चले गए, जहां उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा से कंप्यूटर साइंस में मास्टर डिग्री हासिल की। साल 2013 से 2018 तक उन्होंने ईबे (मठंल) में काम किया और फिर रॉबिनहुड कंपनी से जुड़ गए। इसके बाद वह एक्सएआई और फिर ओपनएआई में आए। एलन मस्क की कंपनी ÛAI में भी कर चुके हैं काम उदय रुद्दाराजू पहले एलन मस्क की एआई कंपनी एक्सएआई (ÛAI) में काम करते थे। पिछले साल एआई क्षेत्र में प्रतिभाओं और संसाधनों को लेकर बड़ी कंपनियों के बीच मुकाबला काफी बढ़ गया था। इसी दौरान उदय एक्सएआई के उन मुख्य कर्मचारियों में शामिल थे, जिन्होंने कंपनी छोड़कर प्रतिद्वंद्वी ओपनएआई का हाथ थाम लिया था। क्या हैं भविष्य की योजनाएं? उदय ने बताया कि उनकी कंप्यूट टीम ने क्षमता बढ़ाने के लिए लगातार काम किया है। टीम ने कंप्यूट, नेटवर्क, स्टोरेज और मशीन लर्निंग (डस) के क्षेत्र में गहरे सिस्टम पर काम किया है। यह काम श्जीपीटी–5.6श जैसे नए और आधुनिक मॉडल को ट्रेन करने के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि जैसे–जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, चुनौतियां भी कठिन हो रही हैं। इसके लिए हर स्तर पर नए प्रयोग करने की जरूरत है। दुनिया का सबसे बड़ा कंप्यूट ढांचा बनाने का लक्ष्य उदय के अनुसार, ओपनएआई का लक्ष्य दुनिया का सबसे बड़ा कंप्यूट ढांचा तैयार करना है। इससे आधुनिक एआई तकनीक हर व्यक्ति और हर काम तक पहुंच सकेगी। आने वाले समय में कंपनी के पास एक बड़ा रोडमैप है। इसके तहत बड़े पैमाने पर डिस्ट्रीब्यूटेड सिस्टम, हार्डवेयर, मैन्युफैक्चरिंग और डेटा सेंटर बनाने का काम किया जाएगा। इसमें सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से जुड़े काम शामिल हैं। कंपनी इस काम के लिए बेहतरीन लोगों को नौकरी पर रख रही है।

ईरान पर अमेरिकी हमलों के बीच होर्मुज पर किसका नियंत्रण? ट्रंप के दावे पर IRGC ने क्या कहा

फ्लोरिडा (अमेरिका), एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव गहराता जा रहा है। इसी बीच, अमेरिका सेना की मध्य कमान(सेंटकॉम) ने रविवार (स्थानीय समय) को कहा कि उसने ईरान के खिलाफ हमलों की नई लहर शुरू की है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी हमलों के बाद

ईरान को श्बहुत बुरी तरह नुकसानश पहुंचा है और वह समुद्री रास्ते पर नियंत्रण नहीं रख पा रहा है। अमेरिकी सेना ने क्या कहा? सेंटकॉम ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में हमलों की जानकारी साझा करते हुए कहा कि इनका लक्ष्य तेहरान की सैन्य क्षमताएं थीं। इन्हीं क्षमताओं का इस्तेमाल होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों और आम नागरिक नाविकों पर हमले के लिए किया जा रहा था। अमेरिकी सेना ने कहा, सेंटकॉम ने आज शाम 7 बजे (अमेरिकी समय) ईरान के खिलाफ हमलों की नई लहर शुरू की। यह लगातार नौवीं रात है। ये हमले ईरान की उन सैन्य क्षमताओं को कमजोर करते रहेंगे, जिनका इस्तेमाल होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों और नागरिक नाविकों पर हमले के लिए किया गया। इस बीच, ईरान के सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी ने बताया कि महशहर, इमाम खुमैनी बंदरगाहों और तबरीज शहर में कई धमाकों की आवाज सुनी गई। इसके बाद दक्षिणी ईरान के कनारक में वायु सुरक्षा प्रणाली सक्रिय कर दी गई। ट्रंप ने क्या कहा?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान को श्बहुत बुरी तरह नुकसानश पहुंचा है। ट्रंप ने कहा, ईरान को बहुत बुरी तरह नुकसान पहुंचा है। उन्होंने अपनी लगभग सारी सैन्य क्षमता खो दी है। उनके पास कुछ उत्पादन क्षमता बची है, लेकिन ज्यादा नहीं। हम जलडमरूमध्य पर नियंत्रण रखते हैं, वे किसी चीज पर नियंत्रण नहीं रखते।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

अमेरिकी हमलों से फिर दहला ईरान: ट्रंप बोले- मृत सैनिकों के सम्मान में की कार्रवाई, होर्मुज पर क्या किया दावा?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी सेना ने ईरान पर फिर से हमला किया है। यह कार्रवाई उन तीन अमेरिकी सैनिकों के सम्मान में की गई है, जिनकी मौत होने की आशंका है। ट्रंप ने दावा किया कि इस हमले से ईरान को भारी सैन्य नुकसान हुआ है। अब होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। ट्रंप ने एयरफोर्स वन विमान से उतरने के बाद और मरीन वन हेलीकॉप्टर पर सवार होने से पहले व्हाइट हाउस के पत्रकारों से यह बात कही। ईरान को हुआ भारी नुकसान मृत सैनिकों के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि हमें बहुत बुरा लग रहा है। लेकिन वे महान देशभक्त थे और वे यह सुनिश्चित करने के लिए लड़ रहे थे कि ईरान के पास परमाणु हथियार न हों। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान को बहुत बुरी तरह नुकसान पहुंचा है। सैन्य रूप से उसने लगभग सब कुछ खो दिया है। अब उसके पास बहुत कम चीजें बची हैं। उसके पास कुछ

मिसाइलें, कुछ ड्रोन और थोड़ी–बहुत निर्माण क्षमता ही बची है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण का दावा ट्रंप ने जोर देकर कहा कि अब इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर अमेरिका का नियंत्रण है। इस मार्ग से दुनिया के तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। ट्रंप ने कहा कि हम इस मार्ग को नियंत्रित करते हैं, वे कुछ भी नियंत्रित नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि हमने आज रात उन पर फिर से बहुत कड़ा हमला किया है। यह हमला तीन महान देशभक्तों के सम्मान में किया गया है। हालांकि, ट्रंप ने इन सैनिकों की पहचान या उनकी मौत की परिस्थितियों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। पत्रकारों ने ट्रंप से एयरफोर्स वन के रूप में इस्तेमाल होने वाले कतर के विमान और उसकी मिसाइल सुरक्षा प्रणाली के बारे में भी सवाल पूछा। इस पर ट्रंप ने कहा कि इस विमान में बहुत सारी क्षमताएं हैं। उन्होंने बताया कि लगभग एक महीने में इस विमान को पूरी तरह से तैयार (मैक्स आउट) करने के लिए भेजा जाएगा। इस काम में करीब एक महीने का समय लगेगा। कनाडा के जंगलों की आग पर चिंता ट्रंप ने बताया कि उन्होंने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से भी बात की है। उन्होंने कनाडा के जंगलों की आग से उठने वाले धुएं के अमेरिका में आने पर चिंता जताई। ट्रंप ने कहा कि मैंने उनसे कहा है कि आपको इस आग को रोकना होगा, क्योंकि इससे हमारी हवा जहरीली हो रही है। उन्होंने कहा कि मार्क कार्नी के साथ उनके अच्छे संबंध हैं, लेकिन इस आग को रोकना जरूरी है। अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका मदद करेगा। इसके साथ ही ट्रंप ने कहा, कनाडा को हमें नुकसान का भुगतान करना चाहिए या फिर हमें उन पर टैरिफ (शुल्क) लगाना चाहिए। वहीं, जब उनसे पूछा गया कि क्या वर्ल्ड कप में जीत के बाद स्पेन के साथ उनके तनावपूर्ण संबंध हैं, तो ट्रंप ने जवाब दिया श्नहीं, मुझे कोई तनाव नहीं है। मेरा किसी के साथ कोई तनाव नहीं है। बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग है। यहां किसी भी सैन्य टकराव से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। इससे वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की कीमतें बढ़ सकती हैं, जिसका असर भारत समेत कई तेल आयात करने वाले देशों पर पड़ता है।

क्या आईएसकेपी का इस्तेमाल कर रहा पाकिस्तान?: तालिबान और बलूचिस्तान से क्या है कनेक्शन, रिपोर्ट में बड़ा दावा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान कथित तौर पर इस्लामिक स्टेट–खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) को वैचारिक समर्थन की वजह से नहीं, बल्कि तालिबान और बलूच विद्रोहियों पर दबाव बनाने के एक साधन के रूप में संरक्षण दे रहा है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। 30 जून को आई रिपोर्ट्स में कहा गया था कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पार गतिविधियां हुईं। इनका संबंध कथित तौर पर आईएसकेपी के छिपने के ठिकानों से था। रिपोर्ट के अनुसार, हाल के वर्षों में इस तरह की घटनाएं कई बार हो चुकी हैं। तंजानिया के अखबार श्सिटिजनश में प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने क्षेत्र में मौजूद दूसरे आतंकवादी समूहों का इस्तेमाल करके तालिबान का मुकाबला करने की योजना बनाई है। मोरक्को की शोधकर्ता और पत्रकार फातिमा एल हाशिमी ने सिटिजन में लिखा, आज मौजूद साक्ष्य बताते हैं कि पाकिस्तान आईएसकेपी को संरक्षण देता हुआ दिखाई दे रहा है। यह वैचारिक समर्थन के कारण नहीं, बल्कि अफगान तालिबान और बलूच विद्रोहियों दोनों पर दबाव बनाने की सोची–समझी रणनीति

का हिस्सा है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस घटनाक्रम पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि इसके वैश्विक असर हो सकते हैं। तालिबान से क्यों बिगड़े पाकिस्तान के रिश्ते? उन्होंने आगे लिखा, यह समझने के लिए कि पाकिस्तान की सेना आईएसकेपी को क्यों बढ़ावा दे सकती है, यह जानना जरूरी है कि अगस्त 2021 के बाद से इस्लामाबाद और अफगान तालिबान के संबंध काफी खराब हो गए हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सेनाओं के बीच सीमा पर झड़पें पहले की तुलना में अधिक और ज्यादा गंभीर हो गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने केवल वर्ष 2025 में ही एक हजार से अधिक हमले किए। इन हमलों में खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को काफी नुकसान उठाना पड़ा। बलूचिस्तान में क्यों बढ़ी पाकिस्तान की मुश्किलें? रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच समझौता कराने की सभी कोशिशें सफल नहीं हुईं। इसी दौरान बलूच सशस्त्र समूहों ने बलूचिस्तान में सुरक्षा बलों और बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर हमले बढ़ा दिए। इनमें चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) भी शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व के सामने अपने नागरिकों और परियोजनाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। इसके कारण पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पर अच्छे परिणाम देने का भारी दबाव है। क्या सख्त नीति से और बढ़ा संकट? रिपोर्ट के मुताबिक, मुनीर ने इसके जवाब में खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में सख्त सरकारी नीति अपनाई। इससे पश्तून और बलूच लोगों में नाराजगी और बढ़ी तथा समस्या सुलझने के बजाय और गंभीर हो गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इन परिस्थितियों के बीच पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था ने पुराने तरीके अपनाने शुरू कर दिए हैं। इसमें राजनीतिक शिकायतों को नजरअंदाज करना और इस्लामिक स्टेट जैसे आतंकवादी संगठनों के साथ नए संबंध बनाकर संतुलन बनाने की कोशिश करना शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में संयुक्त राष्ट्र के एक मंच पर बलूच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) के अध्यक्ष नसीम बलूच ने कहा था कि बलूचिस्तान में आईएसआईएस के प्रशिक्षण शिविर पाकिस्तान की सेना की निगरानी में चलते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह दावा उन रिपोर्ट्स से मेल खाता है, जिनमें बताया गया था कि सेना समर्थक स्थानीय समूहों ने बलूचिस्तान के मस्तुंग और खुजदार में आईएसकेपी की सुविधाएं बनाई हैं। आरोप है कि इनका इस्तेमाल बलूच विरोध को दबाने और अफगानिस्तान में हमले करने के लिए किया जाता है। फातिमा एल हाशिमी ने अपनी रिपोर्ट में लिखा, खवर्ष 2025 में लश्कर–ए–तैयबा के नेताओं ने बलूचिस्तान में एक बैठक की। इसमें उन्होंने उन ताकतों के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष जारी रखने की बात कही, जिन्हें उन्होंने श्पाकिस्तान विरोधीश बताया। इससे उनका मतलब बलूच राष्ट्रवादी और अफगान तालिबान के ऐसे गुटों से था, जो पाकिस्तान सरकार के दबाव या प्रभाव में नहीं आना चाहते थे। उन्होंने आगे लिखा, आईएसकेपी के नेता, प्रचार से जुड़े अधिकारी, विदेशी भर्ती करने वाले लोग और बाहरी सहयोगी लगातार पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा के आसपास दिखाई देते रहे हैं। यह केवल कानून लागू करने में विफलता नहीं लगता। रिपोर्ट में कहा गया है ।

बांग्लादेश में खसरे से मरने वालों का आंकड़ा 788 पहुंचा, मध्य अफ्रीकी देश कैमरून में सात लोग अगवा

एजेंसी/बांग्लादेश में बीते 24 घंटों में खसरे जैसे लक्षणों के चलते चार और बच्चों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, देश में खसरे से जुड़ी मौतों की कुल संख्या बढ़कर 788 हो गई है। सभी नई मौतों को खसरा से संदिग्ध रूप से जुड़ी मौत माना गया है। नए अपडेट के अनुसार, बांग्लादेश में खसरे से संदिग्ध मौतों की संख्या बढ़कर 693 हो गई है, जबकि प्रयोगशाला जांच में पुष्टि हुई मौतों का आंकड़ा 95 है। यह जानकारी यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश के हवाले से सामने आई है। पिछले 24 घंटे के दौरान बांग्लादेश में खसरे के 938 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे देश में संदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 1,17,648 हो गई। इसी अवधि में खसरे के 113 नए पुष्ट मामले दर्ज किए गए, जिसके बाद प्रयोगशाला जांच से पुष्टि किए गए संक्रमणों की कुल संख्या बढ़कर 14,431 हो गई। इस महीने की शुरुआत में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि डेंगू के बढ़ते मामलों से स्वास्थ्य व्यवस्था पर और दबाव पड़ सकता है और मौतों का खतरा बढ़ सकता है। बांग्लादेश के अस्पताल पहले से ही खसरे के रोजाना 900 से ज्यादा मरीजों के भर्ती होने के कारण दबाव में हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, ढाका के बड़े सरकारी अस्पताल, जहां पहले डेंगू के प्रकोप के दौरान हजारों मरीजों का इलाज किया गया था, अभी खसरे के मरीजों के बोझ से जूझ रहे हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर डेंगू के मामलों में अचानक बढ़ोतरी होती है, तो पहले से सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं पर और दबाव पड़ेगा और इलाज की सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। कैमरून के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में शनिवार देर रात (स्थानीय समय) सात यात्रियों का अपहरण कर लिया गया। रविवार को सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। ये यात्री वेस्ट क्षेत्र की राजधानी बाफौसम से उत्तर पश्चिम क्षेत्र की राजधानी बामेंडा जा रहे थे। इसी दौरान हथियारबंद लोगों ने उनकी गाड़ी को रोक लिया और यात्रियों को अपने साथ ले गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, परिवार के सदस्यों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि अपहरणकर्ताओं ने यात्रियों को छोड़ने के बदले फिरौती की मांग की है। रिपोर्ट के मुताबिक इस इलाके में फिरौती के लिए अपहरण की घटनाएं आम हैं। यहां अलगाववादी समूह स्वतंत्र देश की मांग को लेकर सरकारी सुरक्षा बलों से संघर्ष कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, इस इलाके में यात्रा करने वाले लोगों को अक्सर ऐसे हथियारबंद लोग निशाना बनाते हैं, जिनके अलगाववादी लड़ाकों से जुड़े होने का शक है।

गुयाना में बड़ा समुद्री हादसा: 133 लोगों से भरा सरकारी जहाज पलटा

जॉर्जटाउन, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना के अटलांटिक तट पर रविवार को बड़ा समुद्री हादसा हो गया। 133 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रहा सरकारी जहाज एमवी बरीमा समुद्र में पलट गया। अब तक 67 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि कई यात्री अब भी लापता हैं। उन्हें खोजने के लिए बड़े स्तर पर राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।